

बालकृष्ण कॉलोनी से मां अन्नपूर्णा मंदिर तक निकली 796 फीट की विशाल चुनरी यात्रा

समरसता और जल संवर्धन का संदेश लेकर मां अन्नपूर्णा को अर्पित की चुनरी, संतों की अगुवाई में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बालकृष्ण (बालदा) कॉलोनी, महूनाका से संस्था शंभूराजे सामाजिक एवं सांस्कृतिक संगठन के तत्वावधान में मां अन्नपूर्णा मंदिर तक 796 फीट लंबी विशाल चुनरी यात्रा निकाली गई। धार्मिक आस्था, सामाजिक समरसता और जल संवर्धन का संदेश लेकर निकली इस यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। महामंडलेश्वर दादू जी महाराज, पं. पवनदास महाराज (हंसदास मठ) एवं त्यागी पवनदास महाराज (सतनामी अखाड़ा, अमृत्या) की अगुवाई में निकली यात्रा में भक्तिमय माहौल के बीच श्रद्धालुओं ने



मां अन्नपूर्णा को 796 फीट लंबी विशाल चुनरी अर्पित कर आशीर्वाद प्राप्त किया। संस्था के अध्यक्ष जयंत चव्हाण एवं विपिन पाल ने बताया कि चुनरी यात्रा का मुख्य उद्देश्य जल संवर्धन के प्रति आमजन को

जागरूक करना है। वर्तमान समय में बढ़ती जल समस्या को देखते हुए लोगों को पानी के महत्व को समझाने, जल के दुरुपयोग को रोकने और वर्षा जल संचयन के प्रति प्रेरित करने के उद्देश्य से इस आयोजन का स्वरूप धार्मिक होने के साथ सामाजिक सरोकारों से भी जोड़ा गया। संस्था ने मां अन्नपूर्णा के प्रति श्रद्धा व्यक्त करने के साथ ही सामाजिक समरसता और पर्यावरण संरक्षण का संदेश जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया। यात्रा में मुख्य अतिथि के रूप में क्षेत्रीय विधायक श्रीमती मालिनी गौड़, महापौर प्रतिनिधि भरत पारख, भाजपा मीडिया प्रभारी

वरुण पाल, पार्षद शानू शर्मा, विवेक गौड़, कांग्रेस शहर अध्यक्ष चिट्ठू चौकसे, शैलेश गर्ग एवं सुनील पाल प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। संतों के सात्रिध्य और श्रद्धालुओं की सहभागिता से पूरा आयोजन भक्तिमय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के अंत में राजेश मदनपुरिया, रितेश कुसुम्बले, संतोष चौहान, सचिन टांके, भूपेंद्र शम्मी, सुरेंद्र पाटिल, राजेंद्र भावसार, रणजीत कदम, मुकेश बड़के, पंकज नीम, संजय रेडिया, मनीष ईमोलिया, राहुल यादव एवं बालकृष्ण कॉलोनी की समस्त धर्मप्रेमी जनता ने आयोजन को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी श्रद्धालुओं, अतिथियों और सहयोगकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त किया।

अवैध नंबर प्लेट और हटर के विरुद्ध परिवहन विभाग की कार्रवाई

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देशानुसार यातायात नियमों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से परिवहन विभाग द्वारा तेजाजी नगर चौराहे पर विशेष वाहन जांच अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान हाई सिक्वोरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट (एचएसआरपी) संबंधी नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों, शीशों पर प्रतिबंधित काली फिल्म लगाने वाले वाहनों तथा नंबर प्लेट पर धार्मिक प्रतीक, अनधिकृत नाम एवं अन्य अवैध प्लेटों का उपयोग करने वाले वाहनों की जांच की गई। इस दौरान करीब 100 वाहनों की जांच की गई, जिनमें नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर 33 वाहनों के विरुद्ध चालानी कार्रवाई करते हुए 18 हजार रुपये का राजस्व वसूल किया गया।

अभियान के दौरान कुछ प्रशासनिक एवं केंद्रीय प्रशासनिक अधिकारियों, धार्मिक नेताओं, उच्च न्यायालय के अधिवक्ताओं तथा पत्रकारों द्वारा कार्रवाई को प्रभावित करने और रोकने के लिए दबाव बनाने के प्रयास किए गए। इसके बावजूद परिवहन विभाग की टीम ने बिना किसी दबाव में आए निष्पक्षता एवं दृढ़ता के साथ नियमानुसार कार्रवाई जारी रखी।

परिवहन विभाग ने स्पष्ट किया कि यातायात नियम सभी के लिए समान हैं। किसी भी व्यक्ति के पद, प्रभाव अथवा सामाजिक प्रतिष्ठा के आधार पर नियमों के उल्लंघन को नजरअंदाज नहीं किया जाएगा। सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने और वाहन संबंधी नियमों के पालन के लिए विभाग द्वारा इस प्रकार के जांच अभियान निरंतर जारी रखे जाएंगे।

यह कार्रवाई क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी श्री प्रदीप शर्मा के मार्गदर्शन में सहायक क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी (एआरटीओ) श्री राजेश गुप्ता एवं परिवहन निरीक्षक श्री आकाश सिटोले द्वारा की गई।

बनेड़िया में मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान के तहत विशाल शिविर आयोजित

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान के अंतर्गत आज देवालपुर क्षेत्र के बनेड़िया में विशाल जन-विश्वास शिविर आयोजित किया गया। शिविर में कलेक्टर श्री शिवम वर्मा, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री हिमांशु प्रजापति, अपर कलेक्टर श्री नवजीवन विजय पवार, एसडीएम श्री सी.एस. हुड्डा सहित अन्य अधिकारी, श्री गुमान सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने सहभागिता की। शिविर में नागरिकों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनी गई तथा उनके त्वरित निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। विभिन्न शासकीय योजनाओं के पात्र हितग्राहियों को हितलाभ भी वितरित किए गए।

अभियान के तहत प्रशासनिक अधिकारियों ने गांव में संचालित शासकीय संस्थाओं का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। साथ ही विभिन्न विकास कार्यों, जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन और नागरिकों को मिल रही सुविधाओं की मैदानी स्थिति की जानकारी प्राप्त की।

उप स्वास्थ्य केंद्र के नवीन भवन का लोकार्पण- बनेड़िया में शासकीय उप स्वास्थ्य केंद्र के नवीन भवन का लोकार्पण



जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री हिमांशु प्रजापति एवं अपर कलेक्टर श्री नवजीवन विजय पवार द्वारा किया गया। अधिकारियों ने स्वास्थ्य केंद्र एवं शासकीय अस्पताल का निरीक्षण कर उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने मरीजों से चर्चा कर उन्हें मिल रहे उपचार और स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी भी प्राप्त की।

आंगनवाड़ी केंद्र और विद्यालय का निरीक्षण- अधिकारियों ने आंगनवाड़ी केंद्र का निरीक्षण कर बच्चों के लिए उपलब्ध सुविधाओं, पोषण व्यवस्था और केंद्र के



स्थित छःछ प्रोसेसिंग प्लांट, नेप्रा (हृथक्कर) और बायो-सीएनजी प्लांट में संचालित अपशिष्ट प्रसंस्करण कार्यों का अवलोकन

किया। उन्होंने अधिकारियों से प्लांटों की कार्यप्रणाली और व्यवस्थाओं की जानकारी लेते हुए निर्देश दिए कि त्योहारों के दौरान शहर में उत्पन्न होने वाले अतिरिक्त कचरे का समय पर संग्रहण एवं परिवहन किया जाए और उसका व्यवस्थित निपटान सुनिश्चित हो। साथ ही अपशिष्ट प्रसंस्करण केंद्रों का संचालन से सुचारु बनाए रखने पर भी जोर दिया।

आयुक्त श्री सिंघल ने निरीक्षण के दौरान निर्माणगोली कार्कस प्लांट कोकोनट प्लांट और लैंडफिल क्षेत्र की व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से निर्माण कार्यों की प्रगति और संचालन संबंधी व्यवस्थाओं की जानकारी लेकर आवश्यक

दिशा-निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त आयुक्त ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों में निर्माणधीन पेयजल टंकियों और अन्य विकास कार्यों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्माण कार्यों में तेजी लाने तथा सभी परियोजनाओं को निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा करने के निर्देश दिए।

नगर निगम का उद्देश्य त्योहारों के दौरान बढ़ने वाले कचरे के दबाव के बावजूद शहर में स्वच्छता व्यवस्था बनाए रखना, अपशिष्ट प्रसंस्करण केंद्रों का प्रभावी संचालन सुनिश्चित करना और जारी विकास कार्यों को समय पर पूरा करना है।

इसके अलावा देवास की शालीमार कालोनी में नफीस खान के नाम पर 40.5 वर्गमीटर का प्लाट और ग्राम लोहाना में रानु कुशवाह के नाम पर 0.305 हेक्टेयर कृषि भूमि की जानकारी मिली है। इन दोनों संपत्तियों की रजिस्ट्री कीमत क्रमशः 2.50 लाख और 7.49 लाख रुपये बताई गई है।

लोकायुक्त इन संपत्तियों के खरीद दस्तावेजों और भुगतान के स्रोत की पड़ताल पर रही हैं। डीएसपी के अनुसार, अब तक सामने आई 38 अचल संपत्तियों की गाइडलाइन कीमत 12 करोड़ 97 लाख 5 हजार 901 रुपये और बाजार कीमत 35 करोड़ 46 लाख 46 हजार 768 रुपये आंकी गई है।

विवादित जमीन में फिरोज खान की गवाही भी मिली- जांच में शामिल अफसरों के अनुसार सावेर रोड की एक जमीन का दस्तावेज भी हाथ लगा है। करीब 9 करोड़ रुपये कीमती इस जमीन का सौदा श्याम इन्फ्रा के नाम से हुआ है और इसमें फिरोज खान गवाह है। सौदा करने वाली एक महिला की मृत्यु होने के कारण मामला राजस्व विभाग में लंबित है। शक है फिरोज ने रसूल के दम पर जमीन औरने जांच के खरीदी है। मामले में फिरोज के करीबी रिश्तेदार और सुमित जी की जद में है।

डीएसपी सुनील तालान के अनुसार जांच के दौरान देवास के राजदो में रोशनी वर्मा के नाम पर 1.15 हेक्टेयर कृषि भूमि का रिकॉर्ड मिला है। रजिस्ट्री में इसकी कीमत 62.46 लाख रुपये दर्ज है। देवास की शक्ति नगर कॉलोनी में साहिल ट्रेडिंग कंपनी के नाम पर 1,250 वर्गफीट का प्लॉट भी मिला, जिसकी रजिस्ट्री कीमत 6.16 लाख रुपये है।

इसके अलावा देवास की शालीमार कालोनी में नफीस खान के नाम पर 40.5 वर्गमीटर का प्लाट और ग्राम लोहाना में रानु कुशवाह के नाम पर 0.305 हेक्टेयर कृषि भूमि की जानकारी मिली है। इन दोनों संपत्तियों की रजिस्ट्री कीमत क्रमशः 2.50 लाख और 7.49 लाख रुपये बताई गई है।

डीएसपी सुनील तालान के अनुसार जांच के दौरान देवास के राजदो में रोशनी वर्मा के नाम पर 1.15 हेक्टेयर कृषि भूमि का रिकॉर्ड मिला है। रजिस्ट्री में इसकी कीमत 62.46 लाख रुपये दर्ज है। देवास की शक्ति नगर कॉलोनी में साहिल ट्रेडिंग कंपनी के नाम पर 1,250 वर्गफीट का प्लॉट भी मिला, जिसकी रजिस्ट्री कीमत 6.16 लाख रुपये है।

इसके अलावा देवास की शालीमार कालोनी में नफीस खान के नाम पर 40.5 वर्गमीटर का प्लाट और ग्राम लोहाना में रानु कुशवाह के नाम पर 0.305 हेक्टेयर कृषि भूमि की जानकारी मिली है। इन दोनों संपत्तियों की रजिस्ट्री कीमत क्रमशः 2.50 लाख और 7.49 लाख रुपये बताई गई है।

लोकायुक्त इन संपत्तियों के खरीद दस्तावेजों और भुगतान के स्रोत की पड़ताल पर रही हैं। डीएसपी के अनुसार, अब तक सामने आई 38 अचल संपत्तियों की गाइडलाइन कीमत 12 करोड़ 97 लाख 5 हजार 901 रुपये और बाजार कीमत 35 करोड़ 46 लाख 46 हजार 768 रुपये आंकी गई है।

विवादित जमीन में फिरोज खान की गवाही भी मिली- जांच में शामिल अफसरों के अनुसार सावेर रोड की एक जमीन का दस्तावेज भी हाथ लगा है। करीब 9 करोड़ रुपये कीमती इस जमीन का सौदा श्याम इन्फ्रा के नाम से हुआ है और इसमें फिरोज खान गवाह है। सौदा करने वाली एक महिला की मृत्यु होने के कारण मामला राजस्व विभाग में लंबित है। शक है फिरोज ने रसूल के दम पर जमीन औरने जांच के खरीदी है। मामले में फिरोज के करीबी रिश्तेदार और सुमित जी की जद में है।

डीएसपी सुनील तालान के अनुसार जांच के दौरान देवास के राजदो में रोशनी वर्मा के नाम पर 1.15 हेक्टेयर कृषि भूमि का रिकॉर्ड मिला है। रजिस्ट्री में इसकी कीमत 62.46 लाख रुपये दर्ज है। देवास की शक्ति नगर कॉलोनी में साहिल ट्रेडिंग कंपनी के नाम पर 1,250 वर्गफीट का प्लॉट भी मिला, जिसकी रजिस्ट्री कीमत 6.16 लाख रुपये है।

इसके अलावा देवास की शालीमार कालोनी में नफीस खान के नाम पर 40.5 वर्गमीटर का प्लाट और ग्राम लोहाना में रानु कुशवाह के नाम पर 0.305 हेक्टेयर कृषि भूमि की जानकारी मिली है। इन दोनों संपत्तियों की रजिस्ट्री कीमत क्रमशः 2.50 लाख और 7.49 लाख रुपये बताई गई है।

फॉरेक्स ट्रेडिंग में निवेश का झांसा देकर इंदौर में महिला ने युवक से ठग लिए 9 लाख रुपये



इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। साइबर ठग ने फॉरेक्स ट्रेडिंग का झांसा देकर एक युवक से 8 लाख 70 हजार रुपये की ठगी कर ली। ठग ने एक महिला को जरिया बनाया और युवक से बातचीत करवाई। आरोपितों ने ट्रेडिंग में निवेश का झांसा दिया और रुपये जमा करवाते रहे। चंदन नगर पुलिस को मामले में धोखाधड़ी का केस दर्ज किया है। बैंक खातों और मोबाइल नंबरों की जांच की जा रही है।

पुलिस के अनुसार धोखाधड़ी की वारदात तामी परिसर (ए-ब्लॉक) निवासी जय कुमार चुनौलाल बड़ोनिया के साथ हुई है। जय के अनुसार 5 मार्च को एक महिला का कॉल आया था। महिला ने अंतरराष्ट्रीय शेयर मार्केट में रुपये निवेश करने और मुनाफा लेने का प्रलोभन दिया। साइबर हेल्प लाइन पर शिकायत कर एफआईआर दर्ज करवाई- जय ने उसकी बातों पर विश्वास किया और महिला ने विभिन्न खातों में 9 बार में आठ लाठ 70 हजार रुपये जमा करवा लिए। मामले में जय ने साइबर हेल्प लाइन पर शिकायत की और गुरुवार को एफआईआर दर्ज करवाई। पुलिस के अनुसार रुपये हिंदूस ट्रेडर्स ,एम इंटरप्राइजेस,कलितान इंटरप्राइजेस

सहित अलग अलग फर्मों में बैंक आफ इंडिया, बंधन बैंक और एयू स्माल फायनेस में जमा हुए हैं। एक अन्य धोखाधड़ी का मामला राजेंद्र नगर थाना में दर्ज हुआ है। पुलिस के अनुसार साइबर ठग ने राज रानीनगर निवासी करण कोटिया द्वारा शिकायत की है। करण के मुताबिक ठग ने उसकी पत्नी मनीषा के खाते से 51 हजार रुपये निकाले है। बुजुर्ग व्यापारी पर हमला,अवैध वसूली का आरोप, दो पर केस - भंवरकुआं थाना क्षेत्र में बुजुर्ग व्यापारी पर दो आरोपितों ने हमला कर दिया। व्यापारी की शिकायत पर दो के विरुद्ध नामजद एफआईआर दर्ज की है। व्यापारी अस्पताल में भर्ती है। आरोपितों पर अवैध वसूली की धारा में कायमी की गई है।

मध्यप्रदेश की सबसे बड़ी विशाल चुनरी यात्रा 18 अक्टूबर को, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव होंगे शामिल

बड़ा गणपति से बिजासन माता मंदिर तक निकलेगी 2.5 किलोमीटर से अधिक लंबी चुनरी यात्रा, तीन हजार चुनरी रक्षक संभालेंगे व्यवस्था

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नवरात्रि के पावन अवसर पर सनातन धर्म की शक्ति, आस्था और सांस्कृतिक एकता का संदेश देने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश की सबसे बड़ी विशाल चुनरी यात्रा रविवार, 18 अक्टूबर को इंदौर में निकाली जाएगी। यात्रा सुबह 10 बजे बड़ा गणपति मंदिर से प्रारंभ होकर बिजासन माता मंदिर तक पहुंचेगी। इस भव्य आयोजन में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सहित अनेक जनप्रतिनिधि, भाजपा के वरिष्ठ नेता, सामाजिक कार्यकर्ता और हजारों श्रद्धालु शामिल होंगे। यात्रा के दौरान लाखों सितारों से सुसज्जित 2.5 किलोमीटर से अधिक लंबी विशाल चुनरी मां बिजासन को अर्पित की जाएगी।

यात्रा संयोजक एवं भाजपा के पूर्व विधायक सुदर्शन गुप्ता ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को यात्रा में शामिल होने का निमंत्रण दिया, जिसे मुख्यमंत्री ने स्वीकार कर लिया है। श्री गुप्ता ने बताया कि यात्रा को भव्य और व्यवस्थित स्वरूप देने के लिए व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। आयोजन के माध्यम से श्रद्धालु सनातन धर्म को सशक्त बनाने, सामाजिक समरसता और धार्मिक एकता का संकल्प लेंगे।

यात्रा को देखते हुए आयोजकों ने नागरिकों से अपील की है कि रविवार, 18 अक्टूबर को सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक बड़ा गणपति मंदिर से बिजासन माता मंदिर तक के यात्रा मार्ग पर अनावश्यक आवागमन से बचें। आम नागरिकों और यात्रियों की सुविधा के लिए वैकल्पिक मार्गों की व्यवस्था की गई है, ताकि यात्रा के दौरान यातायात सुचारु बना रहे और लोगों को कम से कम परेशानी हो।

एयरपोर्ट जाने वाले यात्रियों के लिए छोटा बांगड़वा से सुपर कॉरिडोर होते हुए एयरपोर्ट पहुंचने का विकल्प रहेगा। एयरपोर्ट रोड के चार लेन वाले हिस्से में से दो लेन पर चुनरी यात्रा निकाली जाएगी, जबकि शेष दो लेन पर यातायात जारी रखने की व्यवस्था रहेगी। इसके अलावा एयरपोर्ट मार्ग के समानांतर पहलर नगर मार्ग यानी 60 फीट रोड, छोटा बांगड़वा मार्ग और सुपर कॉरिडोर का उपयोग भी किया जा सकेगा।

भंवरकुआं, अन्नपूर्णा और महू नाका की ओर से एयरपोर्ट रोड जाने वाले नागरिक चंदन नगर, सिरपुर, जवाहर टेकरी, चौधधराम हॉस्पिटल चौराहा, नावदा, ग्राम रिजलाय और

हिकारगिरी होते हुए एयरपोर्ट पहुंच सकते। आयोजकों ने नागरिकों से अपील की है कि वे अपनी यात्रा की योजना पहले से बना लें और यातायात संबंधी निर्देशों का पालन करें।

सुदर्शन गुप्ता ने बताया कि विशाल चुनरी यात्रा बड़ा गणपति मंदिर से प्रारंभ होकर पलिया खाल, अग्रसेन नगर चौराहा, रामचंद्र नगर चौराहा, शिक्षक नगर चौराहा, कालानी नगर चौराहा और विद्याधाम मंदिर होते हुए एयरपोर्ट थाने के सामने बनाए गए विशाल मंच तक पहुंचेगी। यात्रा मार्ग पर व्यवस्थाओं को सुचारु बनाए रखने के लिए तीन हजार चुनरी रक्षक तैनात किए जाएंगे। ये चुनरी रक्षक प्रमुख चौराहों पर व्यवस्था संभालेंगे और वांकी-टांकी के माध्यम से आपसी समन्वय बनाकर यातायात को सुगम बनाने में सहयोग करेंगे।

श्री गुप्ता ने कहा कि श्रद्धा, भक्ति और सामाजिक समरसता का प्रतीक यह आयोजन इंदौर के धार्मिक एवं सांस्कृतिक गौरव को नई पहचान देगा। उन्होंने नागरिकों से यात्रा को सफल बनाने में सहयोग करने तथा प्रशासन और चुनरी रक्षकों के निर्देशों का पालन करने की अपील की।

इंदौर में हेड कांस्टेबल फिरोज खान की पांच और संपत्तियां मिलीं, 35 करोड़ रुपये के पार पहुंचा काली कमाई का आंकड़ा

इंदौर = पुलिस प्रशिक्षण महाविद्यालय (पीटीसी) में प्रधान आरक्षक (चालक) फिरोज खान की संपत्तियों की जांच में हर दिन नए खुलासे हो रहे हैं। लोकायुक्त पुलिस द्वारा की संच कार्रवाई में पहले दिन फिरोज की 33 अचल संपत्तियों का ब्योरा सामने आया था। दो दिन बाद यह आंकड़ा बढ़कर 38 पर पहुंच गया है। संपत्तियों का अनुमानित बाजार मूल्य भी 30 करोड़ रुपये से बढ़कर 35.46 करोड़ रुपये हो गया है। परिचित और महिला मित्र के नाम भी सामने आ रहे हैं।

एसपी (लोकायुक्त) डारजेश सहाय के अनुसार आरोपित फिरोज खान के ठिकानों पर 14 अक्टूबर को लोकायुक्त ने संच कार्रवाई की थी। इसके बाद से टीम राजस्व,रजिस्ट्रार,नगर निगम सहित अलग-अलग विभागों से दस्तावेज और जानकारी जुटा रही है। शुक्रवार तक की जांच में फिरोज खान,उसके परिवार, सहयोगियों और फर्म के नाम पर कुल 38 अचल संपत्तियां खरीदने की जानकारी सामने आई है। इनकी सरकारी गाइडलाइन के हिसाब से कीमत 12.97 करोड़ रुपये, जबकि वर्तमान बाजार मूल्य 35.46 करोड़ रुपये है।

डीएसपी सुनील तालान के अनुसार जांच के दौरान देवास के राजदो में रोशनी वर्मा के नाम पर 1.15 हेक्टेयर कृषि भूमि का रिकॉर्ड मिला है। रजिस्ट्री में इसकी कीमत 62.46 लाख रुपये दर्ज है। देवास की शक्ति नगर कॉलोनी में साहिल ट्रेडिंग कंपनी के नाम पर 1,250 वर्गफीट का प्लॉट भी मिला, जिसकी रजिस्ट्री कीमत 6.16 लाख रुपये है।

इसके अलावा देवास की शालीमार कालोनी में नफीस खान के नाम पर 40.5 वर्गमीटर का प्लाट और ग्राम लोहाना में रानु कुशवाह के नाम पर 0.305 हेक्टेयर कृषि भूमि की जानकारी मिली है। इन दोनों संपत्तियों की रजिस्ट्री कीमत क्रमशः 2.50 लाख और 7.49 लाख रुपये बताई गई है।

लोकायुक्त इन संपत्तियों के खरीद दस्तावेजों और भुगतान के स्रोत की पड़ताल पर रही हैं। डीएसपी के अनुसार, अब तक सामने आई 38 अचल संपत्तियों की गाइडलाइन कीमत 12 करोड़ 97 लाख 5 हजार 901 रुपये और बाजार कीमत 35 करोड़ 46 लाख 46 हजार 768 रुपये आंकी गई है।

विवादित जमीन में फिरोज खान की गवाही भी मिली- जांच में शामिल अफसरों के अनुसार सावेर रोड की एक जमीन का दस्तावेज भी हाथ लगा है। करीब 9 करोड़ रुपये कीमती इस जमीन का सौदा श्याम इन्फ्रा के नाम से हुआ है और इसमें फिरोज खान गवाह है। सौदा करने वाली एक महिला की मृत्यु होने के कारण मामला राजस्व विभाग में लंबित है। शक है फिरोज ने रसूल के दम पर जमीन औरने जांच के खरीदी है। मामले में फिरोज के करीबी रिश्तेदार और सुमित जी की जद में है।

मध्यप्रदेश में मतदाता सूची के विशेष सक्षिप्त पुनरीक्षण का कार्यक्रम निर्धारित

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मध्यप्रदेश में 1 जनवरी 2027 की अर्हता तिथि के आधार पर मतदाता सूची के विशेष सक्षिप्त पुनरीक्षण (स्फू) की समय-सारणी निश्चित की गई है। मुख्य निर्वाचन प्रदाधिकारी, मध्यप्रदेश श्री संजीव कुमार झा ने आयोग के निर्देशों के अनुरूप प्रदेश के सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों को निर्धारित समय-सारणी के अनुसार आवश्यक कार्यावली सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 2 नवंबर 2026 तक मतदान केंद्रों का गुंत्तिकरण एवं पुनर्व्यवस्थापन किया जाएगा। इसके बाद 12 नवंबर 2026 को प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन होगा। प्रारूप मतदाता सूची के प्रकाशन के साथ ही 12 नवंबर से 11 दिसंबर 2026 तक दावे एवं आपत्तियां प्रस्तुत की जा सकेंगी। प्राप्त दावों एवं आपत्तियों का निराकरण 28 दिसंबर 2026 तक किया जाएगा। संपूर्ण प्रक्रिया के उपरांत 4 जनवरी 2027 को अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन किया जाएगा। मतदाता सूची के विशेष सक्षिप्त पुनरीक्षण की प्रक्रिया निर्धारित समय-सारणी के अनुसार संपन्न कराई जाएगी।

नीमच के सिंधम एसपी राजेश व्यास का नशा माफिया पर ऐतिहासिक प्रहार, 15 घंटे के महा-ऑपरेशन में 28 विवंटल अवैध गांजा जब्त

सरकारी जमीन पर माफिया के साम्राज्य को कप्तान ने किया ध्वस्त, कुकड़ेश्वर पुलिस ने रचा इतिहास

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नीमच जिले में अपराधियों और नशा तस्करों के काल बन चुके पुलिस कप्तान (एसपी) राजेश व्यास ने मादक पदार्थों के काले कारोबार की रीढ़ पर अब तक का सबसे करारा प्रहार किया है। पदभार संभालते ही माफियाओं को नेस्तनाबूद करने की अपनी सौम्य को अमलीजामा पहनाते हुए जांबाज एसपी राजेश व्यास की सीधी निगरानी और व्यूह रचना के चलते कुकड़ेश्वर थाना क्षेत्र के ग्राम शिवपुरिया में करीब 28 क्टिंल (2800 किलोग्राम) अवैध गांजे की खेती का भंडाफोड़ किया गया है। लगातार 15 घंटे तक चले इस भीषण महा-ऑपरेशन ने जिला पुलिस के इतिहास में सफलता का एक स्वर्णिम अध्याय लिख दिया है।

कप्तान की सर्जिकल स्ट्राइक से उखड़े



माफिया के पैर - सूत्रों के अनुसार, जिले के अफीम और नशा बेल्ट में तस्करों के हर मंसूबे को फेल करने के लिए एसपी राजेश व्यास लगातार अपनी विशेष खुफिया टीमों को सक्रिय रखे हुए थे। जैसे ही कप्तान के पास शिवपुरिया में शासकीय भूमि पर बड़े पैमाने पर छिपाकर की जा रही गांजे की

अवैध खेती का इनपुट पहुंचा, उन्होंने बिना वक्त गंवाए खुद मोर्चा संभाला। एसपी व्यास की सटीक प्लानिंग के तहत अनुविभागीय पुलिस बल और भारी पुलिस अमले ने तड़के ही पूरे इलाके की घेराबंदी कर सर्जिकल स्ट्राइक की तरह दबिशा दी। मौके पर अपराधियों के होश उड़ गए। लगातार 15 घंटे की कड़ी मशकत और कप्तान की पल-पल की मॉनिटरिंग के बीच पुलिस ने अवैध फसल को जड़ से उखाड़ फेंके माफिया के मंसूबों को मिट्टी में मिला दिया।

DGP के जीरो टॉलरेंस विजन को

तहत तत्काल आपराधिक प्रकरण दर्ज कर लिया है। जब्त गांजे की कीमत करोड़ों में आंकी जा रही है, जिसका अंतिम तौल और आधिकारिक मूल्यांकन वरिष्ठ अधिकारियों की देखरेख में बेहद पारदर्शिता के साथ किया जा रहा है।

जिले में कानून का राज, थर-थर कांप रहे अपराधी- नीमच जिला लंबे समय से मादक पदार्थों की संवेदनशीलता के लिए जाना जाता रहा है, लेकिन जब से कप्तान आईपीएस राजेश व्यास ने संभाली है, अपराधियों के हौसले परत हो चुके हैं। शासकीय भूमि पर गैर-कानूनी गतिविधियां चलाने वाले रसूखदारों को कप्तान ने स्पष्ट संदेश दे दिया है कि वे या तो अपराध छोड़ दें या फिर नीमच। पुलिस अब नामजद फरार आरोपियों की तलाश में उनके संभावित ठिकानों पर ताबड़तोड़ दबिशा दे रही है और जल्द ही वे सलाखों के पीछे होंगे।

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता बनाए रखने तथा स्वच्छ वातावरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा एवं जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव के मार्गदर्शन में जिले की ग्राम पंचायतों में प्रत्येक शनिवार को स्वच्छता शनिवार गतिविधि के तहत विशेष सफाई अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत ग्राम पंचायतों द्वारा जनसहयोग से गांवों के प्रमुख स्थानों, सार्वजनिक स्थलों



एवं मार्गों पर सफा-सफाई कर श्रमदान किया जा रहा है। ग्रामीणों की सहभागिता से सार्वजनिक स्थानों को स्वच्छ रखने तथा ग्रामीण परिवेश को साफ-सुथरा बनाने के लिए विभिन्न स्वच्छता गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। स्वच्छता अभियान के साथ ही जनपद पंचायत स्तर से घर-घर कचरा संग्रहण वाहनों (स्वच्छता रथ) के संचालन की निगरानी भी की जा रही है, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में नियमित कचरा संग्रहण सुनिश्चित किया जा सके। स्वच्छता शनिवार के तहत ग्राम पंचायत बोरखेड़ी कलां, भादवामाता, मोरवन, जमुन्यारावजी, सेमली ई.मु., जनेद एवं पड़वा सहित जनपद पंचायत नीमच, जावद और मनासा क्षेत्र की विभिन्न ग्राम पंचायतों में विशेष सफाई अभियान चलाया गया। इस दौरान जनसहयोग से साफ-सफाई के कार्य किए गए। जिले में संचालित स्वच्छता शनिवार गतिविधि का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना, सामुदायिक सहभागिता को प्रोत्साहित करना तथा गांवों में स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण बनाए रखना है।

श्री महामाया भादवामाता मंदिर में 19 अक्टूबर को रात्रि 10:30 बजे से होगा महाअष्टमी का मुख्य हवन



नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सुप्रसिद्ध आरोग्य तीर्थ श्री महामाया भादवामाता मंदिर में शारदीय नवरात्रि के पावन अवसर पर महाअष्टमी का मुख्य हवन 19 अक्टूबर 2026, सोमवार को रात्रि 10-30 बजे से विधि-विधान एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ प्रारंभ होगा। इस अवसर पर विश्व कल्याण, सुख-समृद्धि एवं आरोग्य की कामना के साथ हवन में आहुतियां अर्पित की जाएंगी। श्री महामाया भादवामाता

मंदिर प्रबंध समिति एवं ग्राम पंचायत भादवामाता से प्राप्त जानकारी के अनुसार, महाअष्टमी के इस विशेष धार्मिक अनुष्ठान में मंदिर के मुख्य पुजारियों एवं आचार्यों के सान्निध्य में हवन संपन्न होगा। इस दौरान माता जी की विशेष महाआरती भी की जाएगी। महाअष्टमी के अवसर पर मंदिर पहुंचने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए मंदिर परिसर में सुराहा, पार्किंग, प्रकाश व्यवस्था एवं पेयजल की आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं, ताकि दर्शनार्थियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। मंदिर प्रबंध समिति एवं ग्राम पंचायत भादवामाता ने समस्त श्रद्धालुओं से महाअष्टमी के पावन अवसर पर श्री महामाया भादवामाता के दर्शन करने तथा मुख्य हवन एवं महाआरती में सम्मिलित होकर धर्मलाभ प्राप्त करने की अपील की है।



मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भानपुरा तहसील क्षेत्र के प्रसिद्ध धार्मिक आस्था का केंद्र आरोग्यधाम दुधाखेड़ी माताजी मंदिर के समीप मुख्य मार्ग पर चुरन यात्रा के दौरान ट्रेलर की चपेट में आने से 5

वर्षीय बालक की कुचल जाने से दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद आक्रोशित भीड़ में ट्रेलर में तोड़फोड़ कर आग के हवाले कर दिया। भानपुरा पुलिस थाना के एसआई बापूसिंह बामनिया ने बताया कि शनिवार को गांव असावती से चुरन यात्रा प्राप्त: 7 बजे प्रारंभ हुई थी। जो गांव से निकलकर दुधाखेड़ी माताजी स्थान पर शाम को पहुंचने वाली थी। चुरन यात्रा में चल रहे 5 वर्षीय बालक कार्तिक पिता कैलाश सिंह सौंधिया निवासी बावड़ी खेड़ा थाना शामगाढ़ ट्रेलर के टायर की चपेट में आने से मौके पर ही दुखद मौत हो गई। घटना के बाद बड़ी संख्या में आक्रोशित लोगों ने ट्रक में तोड़फोड़ करते हुए आग के हवाले कर दिया। घटना के बाद पुलिस ने गरोट भानपुरा मुख्य मार्ग पर स्थित दुधाखेड़ी माताजी गेट से दुधाखेड़ी माता जी के समीप घटनास्थल तक का पूरा मार्ग बंद कर दिया। घटना के बाद कुछ समय तक पूरे क्षेत्र में अफरा तफरी का माहौल निर्मित हो गया। पुलिस ने मृतक बालक का शव शासकीय चिकित्सालय भानपुरा पहुंचाया।

स्कूल शिक्षा विभाग के अधिकारी उलट्ट गए दिव्यांग अधिनियम 2016 की धाराओं में

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश के समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत कार्यरत मोबाइल स्रोत सलाहकारों की नियुक्ति को लेकर नया विवाद सामने आया है।प्रभावित कर्मचारियों ने स्कूल शिक्षा विभाग,राज्य शिक्षा केंद्र और लोक शिक्षण संचालनालय के अधिकारियों द्वारा स्क्रीनिंग कमेटी के समक्ष प्रस्तुत प्रतिवेदन पर सवाल उठाते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की है।कर्मचारियों का कहना है कि उनके वास्तविक शैक्षणिक कार्यों और पुराने शासकीय अभिलेखों का समुचित परीक्षण किए बिना ऐसा निष्कर्ष प्रस्तुत किया गया है जिससे उनकी नियुक्ति की पात्रता प्रभावित हो सकती है।कर्मचारियों के अनुसार राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल के पत्र क्रमांक रा.शि.के./ आईईडी/ 2018/3710, दिनांक 18 जून 2018 में कैग ऑडिट प्रतिवेदन वर्ष 2015-16 से संबंधित कार्रवाई के संदर्भ में मोबाइल स्रोत सलाहकारों के कार्यों पर निर्देश दिए गए थे।कर्मचारियों का दावा है कि इस आदेश में बी आर सी कार्यालयों में बैठकर कार्यालयीन कार्य कराने को अनुचित बताते हुए एम आर सी के जॉब चार्ट के अनुसार प्रतिमाह 15 से 20 दिन शाला भ्रमण तथा गृह आधारित शिक्षण कार्य पर जोर दिया गया था। उनके अनुसार आदेश में निर्देशों की अवहेलना करने वाले अधिकारियों के विरुद्ध दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016 के अंतर्गत कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई थी।कर्मचारियों का सवाल है कि यदि विभाग के अपने आदेश में एम आर सी के कार्यों को शाला भ्रमण और दिव्यांग बच्चों की शिक्षा से जोड़ा गया था तो वर्ष 2026 में स्क्रीनिंग कमेटी के समक्ष प्रस्तुत प्रतिवेदन में उनके शैक्षणिक कार्यों की प्रकृति का आकलन किस आधार पर किया गया?

किसानों के बीच रहकर रबी फसलों और बगीचों का प्रयोगात्मक ज्ञान प्राप्त करेंगे विद्यार्थी

मंदसौर उद्यानिकी महाविद्यालय का 'विलेज अटैचमेंट' कार्यक्रम शुरु, 43 छात्र-छात्राएं केवीके पहुंचे



मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राजमाता विजयराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय के कुलगुरु डॉ. अरविन्द कुमार शुक्ल के निर्देशन में उद्यानिकी महाविद्यालय मंदसौर के बीएससी उद्यानिकी चतुर्थ वर्ष के छात्रों का कृषि विज्ञान केंद्र कालूखेड़ा में एवं छात्राओं का कृषि विज्ञान केंद्र नीमच में चार माह के लिए संलग्नीकरण किया गया है।

उद्यानिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. डीएच रानडे ने छात्रों से कहा कि आपको चार महीने के विज्ञेज अटैचमेंट कार्यक्रम के दौरान रबी मौसम में बोई जाने

वाली उद्यानिकी फसलों एवं फलदार बगीचों के बारे में किसानों के साथ रहकर दक्षता पूर्वक प्रयोगात्मक जानकारी प्राप्त करना है जिससे आपके ज्ञान में वृद्धि होने के साथ-साथ आत्मविश्वास में भी वृद्धि हो सके जिससे आप आगे चलकर कृषकों की समस्याओं का समाधान दक्षता पूर्वक कर सकें। इस दौरान रावे ईंचाई डॉ. एचपी सिंह ने बताया कि कुल 28 छात्रों को केवीके कालूखेड़ा एवं 15 छात्राओं को केवीके नीमच में भेजा गया है, वहीं पर सभी छात्र छात्राओं को गांव एवं कृषकों का अवंटन कर दिया जाएगा। जहाँ पर पर स्थानीय परिस्थियों को समझकर उद्यानिकी फसलों के बारे मे विस्तार से समझेंगे। इस अवसर पर केवीके कालूखेड़ा में वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. सर्वेश कुमार निपाटी, वैज्ञानिक डॉ बरखा शर्मा, डॉ. रामधन घसावा, डॉ. जाखड़ एवं डॉ रहितारा भदौरिया एवं केवीके नीमच में प्रधान वैज्ञानिक डॉ. सी पी पचौरी, डॉ. पी एस नरका, डॉ. श्याम सिंह, डॉ. जे पी सिंह एवं महाविद्यालय से डॉ. रौशन गिलानी, डॉ. प्रदीप तुरुकमाने, डॉ. अल्पना कुम्हारे एवं डॉ. किरन सोनी आदि उपस्थित रहे।

दो मौतों का डेथ ऑडिट होगा, भानपुरा ब्लॉक में मलेरिया पॉजिटिव मिलने पर अलर्ट, 643 घरों में किया सर्वे

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड।कलेक्टर दिव्यांक सिंह के निर्देश पर जिले के भानपुरा ब्लॉक के ग्राम कोटड़ी टैक, छोटी कोटड़ी, भानपुरा छत्री, धगी और बड़ोदिया में मलेरिया पॉजिटिव केस सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग ने त्वरित कदम उठाए हैं। स्थिति को नियंत्रण में रखने के लिए विशेष टीमों का गठन कर सखन सर्वे अभियान चलाया जा रहा है।

स्वास्थ्य विभाग की टीमों ने कुल 643 घरों का सर्वे किया। इस दौरान 2969 कटेनरों की जांच की गई, जिनमें 46 घरों में मच्छर का लार्वा मिला, जिसे तुरंत नष्ट किया गया। रैपिड किट से 216 व्यक्तियों की जांच में 15 पॉजिटिव मिले,



जबकि 153 स्लाइड जांच में 13 व्यक्ति पॉजिटिव पाए गए। क्षेत्र में बुखार के चलते 2 मरीजों की मृत्यु की सूचना है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा डेथ ऑडिट किया जा रहा है, जिसके बाद ही मौत के

वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा। संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए प्रभावित गांवों में फॉगिंग और पायरेथ्रम स्प्रे किया जा रहा है। नालियों में लार्वा नष्ट करने के लिए एमोर्फस डाला जा रहा है। स्वास्थ्य कार्यकर्ता घर-घर जाकर लोगों को जागरूक कर रहे हैं। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. आर.के. द्विवेदी ने नागरिकों से अपील की है कि सोते समय मच्छरदानी का उपयोग करें, शाम के समय नीम की पत्तियों का धुआं करें, आसपास पानी एकत्र न होने दें। बुखार आने पर तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में जांच कराएं और डॉक्टर की सलाह से इलाज लें।

किया गया। मामले में दलौदा थाना प्रभारी उपनिरीक्षक रविन्द्र प्रताप डांगी एवं शामगाढ़ थाना प्रभारी उपनिरीक्षक कपिल सौराष्ट्रीय तथा सीतामऊ थाना निरीक्षक कमलेश प्रजापति ने आदतन अपराधियों की सूची तैयार कर पुलिस अधीक्षक को प्रतिवेदन प्रस्तुत किया था। इस आधार पर जिला दंडाधिकारी मंदसौर के माध्यम से प्रतिवेदन संभागायुक्त के समक्ष रखा गया।

जिस पर आयुक्त ने निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए आरोपी राजू निवासी सोनगिरी और प्रधानसिंह निवासी किलगारी तथा आजाद पठान निवासी लदूना को एक वर्ष के लिए सेंट्रल जेल इंदौर में रखने का आदेश जारी किया। उल्लेखनीय है पीट एनडीपीएस एक्ट की कार्रवाई ऐसे आरोपियों के खिलाफ की जाती है जो लगातार

मादक पदार्थ की तस्करी में सक्रिय रहते हैं। दलौदा वाली कार्रवाई में टीआई रविन्द्र डांगी के अलावा एसपी किलगारी तथा आजाद पठान निवासी लदूना को एक वर्ष के लिए सेंट्रल जेल इंदौर में रखने का आदेश जारी किया। उल्लेखनीय है पीट एनडीपीएस एक्ट की कार्रवाई ऐसे आरोपियों के खिलाफ की जाती है जो लगातार

की कार्रवाई में टीआई कपिल सौराष्ट्रीय के साथ चंदवासा चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक मनोज महाजन, जैन ओपी राठौर, सजिन प्रदीपसिंह तोमर रीडर एसपी ऑफिस, प्रचार सूरूपपालसिंह, आरक्षक नितेश मौर्य, विशालसिंह, मनीष सवालिया का योगदान रहा है। सीतामऊ वाली कार्रवाई में थाना निरीक्षक कमलेश प्रजापति एवं टीम का सहयोग रहा।

तीन शांतिर तस्करों पर पीट-एडीपीएस लगा, एक वर्ष हेतु भेजा सेंट्रल जेल इंदौर

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत मंदसौर पुलिस ने पीट - एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई है। जिले के शामगाढ़ और दलौदा तथा सीतामऊ थाना पुलिस ने अपने-अपने थाने के एक-एक आरोपी के खिलाफ प्रतिवेदन भेजा था, जिस पर उज्जैन संभाग आयुक्त ने आदेश जारी

किया, आयुक्त के आदेश पर तीनों शांतिर तस्करों को एक वर्ष हेतु सेंट्रल जेल इंदौर भेजा गया है। गौरतलब है कि मादक पदार्थ माफियाओं के खिलाफ पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार मीना ने कठोरतम कार्रवाई के निर्देश एसपी थानों को दिए थे। पुलिस के अनुसार पहली कार्रवाई में आरोपी राजू - उर्फ राजा पिता वाहिद खां मेवाती 41 वर्ष निवासी सोनगिरी थाना दलौदा के खिलाफ

सम्पादकीय पाकिस्तान बनाम बलूचिस्तान

पाकिस्तान अपनी स्थापना के बाद से ही भू-राजनीतिक उथल-पुथल, राजनीतिक अस्थिरता और आंतरिक संघर्षों के दौर से गुजरता रहा है। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह की आंतरिक और बाहरी चुनौतियाँ उभरी हैं, उन्होंने इस देश के अस्तित्व और अखंडता पर गंभीर सवालिया निशान लगा दिए हैं। एक ओर जहाँ बलूचिस्तान के स्वतंत्रता संग्राम ने पाकिस्तानी सेना को अंदर से हिला दिया है, वहीं दूसरी ओर पश्चिमी सीमा पर अफगानिस्तान के साथ बढ़ते तनाव और तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान के लगातार हमलों ने देश की सुरक्षा तंत्र को पुंगू बना दिया है। इसके साथ ही, चरमराती अर्थव्यवस्था और बेलगाम मुद्रास्फीति ने आम जनजीवन को त्रस्त कर दिया है। इन तमाम तथ्यों के आलोक में यह विश्लेषण करना आवश्यक हो जाता है कि क्या पाकिस्तान एक बार फिर विभाजन की कगार पर खड़ा है?

आर्थिक बदहली और चरमराती मुद्रास्फीति- टूटती रीढ़ किसी भी राष्ट्र के टिके रहने के लिए उसकी अर्थव्यवस्था का सुदृढ़ होना अनिवार्य शर्त है, लेकिन वर्तमान में पाकिस्तान का आर्थिक तंत्र पूरी तरह चरमरा चुका है।महंगाई और विदेशी मुद्रा भंडार पाकिस्तान में पिछले कुछ वर्षों में मुद्रास्फीति अपने ऐतिहासिक उच्च स्तर पर पहुँची है। खाद्य पदार्थों, ईंधन और बिजली की कीमतों में बेतहाशा वृद्धि ने आम नागरिकों की कमर तोड़ दी है। देश का विदेशी मुद्रा भंडार अक्सर न्यूनतम स्तर पर पहुँच जाता है, जिससे बुनियादी आयातों (जैसे कच्चा तेल और दवाइयों) को बनाए रखना भी दूबर हो गया है।

अपनी अर्थव्यवस्था को दिवालिया होने से बचाने के लिए पाकिस्तान को बार-बार अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के सामने हथ फैलाना पड़ा है। आईएमएफ द्वारा दिए जाने वाले बेलआउट पैकेजों के साथ कठोर शर्तें जुड़ी होती हैं, जिसके कारण ब्रिक्स्टडी खत्म करनी पड़ती है, टैक्स बढ़ाने पड़ते हैं और परिणामस्वरूप जनता पर करों का बोझ और बढ़ जाता है।

पाकिस्तान का कुल सार्वजनिक और बाह्य ऋण उसकी कुल सकल घरेलू उत्पाद के अनुपात में खतरनाक सीमा को पार कर चुका है। स्थिति यह है कि देश के बजट का एक बड़ा हिस्सा केवल लिए गए कर्ज पर ब्याज चुकाने में ही चला जाता है, जिससे विकास कार्यों और रक्षा बजट के लिए बहुत कम धनराशि बचती है।

क्षेत्रफल के हिसाब से पाकिस्तान के सबसे बड़े प्रांत बलूचिस्तान में रूपे समय से असंतोष सुलग रहा है, जो अब एक पूर्णकालिक संघर्ष का लंबे ले चुका है। बलूचिस्तान प्राकृतिक गैस, कोयला, तंबाकू और सोने जैसे बहुमूल्य खनिजों से समृद्ध है, लेकिन यहाँ के स्थानीय लोगों का आरोप है कि केंद्रीय सरकार और पाकिस्तानी सेना इन संसाधनों का दोहन तो करती है, बदले में बलूचिस्तान के लोगों को गरीबी, बेरोजगारी और भुखमरी मिलती है। बलूच नेशनल लिबरेशन आर्मी अन्य विद्रोही संगठन लगातार पाकिस्तानी सुरक्षा बलों को निशाना बना रहे हैं। ग्वादर बंदरगाह और चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा जैसी परियोजनाओं के खिलाफ बलूच विद्रोहियों के हमले इस बात का प्रमाण हैं कि केंद्र सरकार का नियंत्रण इस क्षेत्र में लगातार कम हो रहा है। मानवाधिकार उल्लंघन- मानवाधिकार संगठनों की रिपोर्टों के अनुसार, बलूचिस्तान में बलपूर्वक गायब किए जाने और सैन्य दमनात्मक कार्रवाइयों की अनगिनत घटनाएँ हुई हैं, जिससे स्थानीय आबादी और पाकिस्तानी राज्य के बीच की खाई पाटने योग्य नहीं बची है।

पाकिस्तान ने रणनीतिक गहराई हासिल करने के लिए दशकों तक अफगानिस्तान में जिस छद्म युद्ध की नीति को बढ़ावा दिया था, उस वही नीति उसके अपने गले की फांस बन चुकी है। तालिबान के अफगानिस्तान की सत्ता में लौटने के बाद से पाकिस्तान और काबुल के बीच सीमा विवाद (ड्रूंड लाइन) गहराता गया है। तालिबान सरकार ने पारंपरिक रूप से ड्रूंड लाइन को अंतरराष्ट्रीय सीमा के रूप में मान्यता नहीं दी है, जिसके चलते दोनों देशों की सेनाओं के बीच कई बार खूनी झड़पें हो चुकी हैं।

तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (ज़ब्रक़) ने खैबर पख्तूनख्वा और कबीलाई क्षेत्रों में पाकिस्तानी सेना के खिलाफ हिंसक अभियानों को तेज कर दिया है। पाकिस्तानी सैन्य चौकियों पर होने वाले आत्मघाती हमले और घात लगाकर किए जाने वाले वार ने पाकिस्तानी फौज के मनोबल को बुरी तरह तोड़ दिया है।लगातार मोर्चों (एक तरफ बलूच विद्रोही और दूसरी तरफ अफगान सीमा पर टीटीपी व सीमाई झड़पें) पर उलझने के कारण पाकिस्तानी सेना भारी जनहानि और आर्थिक दबाव का सामना कर रही है। देश की आंतरिक सुरक्षा संभालने में विफल रही सेना अब खुद को रक्षात्मक मुद्रा में पाती है। पाकिस्तान का इतिहास ग्वाह है कि जब-जब केंद्र सरकार ने क्षेत्रीय आकांक्षओं को दबाने के लिए बल प्रयोग किया है और आर्थिक-राजनीतिक रूप से देश कमजोर हुआ है, तब-तब विभाजन अपरिहार्य हो गया है।1971 में पूर्वी पाकिस्तान (जो आज का बांग्लादेश है) की जनता पर तत्कालीन पश्चिमी पाकिस्तान द्वारा किए गए अत्याचारों और राजनीतिक उपेक्षा ने एक नए राष्ट्र के उदय को जन्म दिया था। आज बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा में ठीक वैसी ही स्थितियाँ बनती दिख रही हैं। बलूच नेता और राजनीतिक विश्लेषक अक्सर यह तर्क देते हैं कि जिस प्रकार पूर्वी पाकिस्तान अलग हुआ था, उसी प्रकार बलूचिस्तान और अन्य अंतर्गुप्त क्षेत्र भी आने वाले समय में अपनी स्वतंत्रता की राह चुन सकते हैं।

श्री महागौरी की आराधना - अज्ञान के अंधकार से आत्मचेतना के प्रकाश की ओर



परम पूज्य श्री माताजी निर्मला देवी जी ने माँ महागौरी के आध्यात्मिक स्वरूप की व्याख्या करते हुए बताया है कि महागौरी आदिकुंडलिनी शक्ति का स्वरूप है। यह कुंडलिनी शक्ति प्रत्येक मनुष्य के भीतर विद्यमान एक जीवंत आध्यात्मिक ऊर्जा है, जो आत्मसाक्षात्कार के माध्यम से जागृत होती है। सहजयोग ध्यान प्रक्रिया में इस शक्ति का जागरण सहज एवं प्राकृतिक रूप से घटित होता है, जिससे मनुष्य अपनी आंतरिक चेतना और आत्मिक स्वरूप का अनुभव करता है।

श्री माताजी के अनुसार, कुंडलिनी शक्ति माँ की इच्छाशक्ति है, जो मनुष्य के भीतर स्थित अच्छाई और बुराई को जानती है। यह शक्ति साक्षी भाव में रहते हुए साधक के आध्यात्मिक उद्यथान में सहायक होती है। कुंडलिनी जागरण से व्यक्ति के भीतर शांति, संतुलन और आत्मचेतना का विकास होता है। सहजयोग ध्यान के नियमित अभ्यास से मन की चंचलता कम करने, भावनात्मक संतुलन विकसित करने और जीवन को सकारात्मक दृष्टिकोण से देखने में सहायता मिलती है।

माँ महागौरी की शक्ति सहजतरा चक्र को प्रकाशित करने वाली दिव्य चेतना के रूप में वर्णित की गई है। जब मनुष्य ध्यान के माध्यम से अपनी आंतरिक शक्ति से जुड़ता है, तब उसके भीतर ज्ञान, विवेक और आत्मबोध का विकास होता है। यह आध्यात्मिक अनुभूति उसे बाहरी आडंबरों से ऊपर उठकर सत्य की खोज करने की प्रेरणा देती है। जिस प्रकार सूर्य के उदय होने पर अंधकार दूर हो जाता है, उसी प्रकार आध्यात्मिक जागृति से अज्ञान और नकारात्मक विचारों का प्रभाव कम होने लगता है।

नवरात्रि के यह पावन अवसर आत्मचिंतन, ध्यान और आंतरिक शुद्धि के लिए विशेष प्रेरणा प्रदान करता है। माँ महागौरी की आराधना हमें अपने भीतर निहित दिव्य शक्ति को पहचानने तथा जीवन में प्रेम, करुणा, शांति और विवेक को अपनाने का संदेश देती है।

भारतीय संस्कृति की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि उसने जीवन के उत्सवों को केवल आनंद और उल्लास तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उन्हें आत्मचिंतन, साधना, संस्कार और जीवन-परिवर्तन का माध्यम बनाया है। यहां प्रत्येक पर्व अपने भीतर कोई न कोई शाश्वत संदेश समेटे हुए है। दशहरा अथवा विजयादशमी ऐसा ही प्रेरणाप्रद पर्व है, जो भारतीय संस्कृति की गहरी जड़ें, आध्यात्मिक परंपराओं और जीवन-दर्शन से जुड़कर मनुष्य को सत्य, साहस, सदाचार और आत्मविजय की राह दिखाता है। यह पर्व हमें स्मरण कराता है कि जीवन की वास्तविक विजय दूसरों को पराजित करने में नहीं, बल्कि अपने भीतर विद्यमान दुर्बलताओं, विकारों और नकारात्मक प्रवृत्तियों पर विजय प्राप्त करने में है। असत्य पर सत्य, अंधकार पर प्रकाश, निराशा पर आशा और अधर्म पर धर्म की विजय का यह उत्सव भारतीय जनमानस में सदियों से नई ऊर्जा, नया विश्वास और नया संकल्प भरता आया है।

दशरहे की सांस्कृतिक चेतना का सबसे प्रभावशाली आधार भगवान श्रीराम की रावण पर विजय है। रामायण का यह प्रसंग केवल एक ऐतिहासिक अथवा पौराणिक युद्ध की परिणति नहीं, बल्कि मानवीय मूल्यों और अहंकार के बीच संघर्ष का शाश्वत आख्यान है। श्रीराम मार्बाद, करुणा, सत्य, कर्तव्य और धर्मनिष्ठा के प्रतीक हैं, जयंती रावण ज्ञान, सामर्थ्य और वैभव से संपन्न होने के बावजूद अहंकार, अनियंत्रित इच्छाओं और अनैतिक आचरण का प्रतीक बन जाता है। रावण का व्यक्तित्व इस सत्य को उजागर करता है कि ज्ञान यदि विवेक से, शक्ति यदि मर्यादा से और समृद्धि यदि नैतिकता से विमुक्त हो जाए, तो मनुष्य के पतन का कारण बन जाती है। श्रीराम की विजय इसलिए महत्वपूर्ण है कि उन्होंने प्रतिकूल परिस्थितियों में भी अपने आश्रयों का परित्याग नहीं किया। दशहरा हमें सिखाता है कि परिस्थितियाँ कितनी ही कठिन क्यों न हों, सत्य और धर्म के मार्ग पर चलने वाला व्यक्ति अंततः समाज की आस्था और इतिहास की प्रेरणा बनता है।

भारतीय संस्कृति में दशहरे का संबंध केवल राम की विजय से नहीं, बल्कि मां दुर्गा की महिमासुर पर विजय

फिलिप्स होम अप्लायसेज ने ‘सोने पे डबल सुहागा’ से बढ़ाया त्योहारी खरीदारी का मजा

मुंबई- पिछले त्योहारी सीजन में ‘सोने पे सुहागा’ कैपेन की कामयाबी के बाद फिलिप्स होम अप्लायसेज इस बार और बड़ी पेशकश ‘सोने पे डबल सुहागा’ के साथ लौटा है। त्योहार पर किए अपने वादे को कंपनी अब एक कदम और आगे ले जा रही है। ऑफर में शामिल फिलिप्स होम अप्लायसेज खरीदने पर ग्राहकों को तोहफा मिलना तय है। इसके साथ उनके पास हर घंटे 9,999 रुपये का सोना और हर दिन 50,000 रुपये का हिरा जीतने का मौका भी होगा, जो त्योहारी खरीदारी का रोमांच और बढ़ा देगा।

पिछले साल ‘सोने पे सुहागा’ ने आम त्योहारी ऑफर्स से हटकर 70 शहरों के ग्राहकों को एक दिलचस्प अनुभव दिया था। उस कैपेन को मिली अच्छी प्रतिक्रिया के बाद इस साल फिलिप्स होम अप्लायसेज तय तोहफे और कीमती इनाम जीतने का मौका, दोनों एक साथ दे रही है, ताकि त्योहार पर की गई खरीदारी ग्राहकों को और ज्यादा फायदा दे।

आज ग्राहक पहले के मुकाबले ज्यादा सोच-समझकर खरीदारी करते हैं। ऐसे में ‘सोने पे डबल सुहागा’ का मकसद त्योहारी खरीदारी में खुशी और कुछ बेहतर पाने की चाह जोड़ना है। आम छूट और प्रोडक्ट से जुड़े इनामों से आगे बढ़ते हुए फिलिप्स होम अप्लायसेज ग्राहकों को सचमुच कुछ खास अनुभव करने का मौका दे रही है। इसके लिए कंपनी ऑफर में शामिल प्रोडक्ट्स की खरीद पर तय तोहफे के साथ सोना और हिरा जीतने का अवसर भी दे रही है। कंपनी को किशोरा है कि त्योहारों में फिलिप्स का अप्लायंस पर लाना ग्राहकों के लिए और भी फायदे का सौदा बने और उन्हें जश्न मनाने की कुछ और वजहें मिलें।

अक्टूबर से 11 नवंबर 2026 तक चलने वाले इस कैपेन के 112 शहरों में 20 करोड़ से ज्यादा ग्राहकों तक पहुंचने की उम्मीद है। इस दौरान तक से कम 1,500 रुपये पैसाआरपी वाले, ऑफर में शामिल फिलिप्स होम अप्लायसेज खरीदने वाले हर ग्राहक को खरीद पर एक तोहफा मिलेगा। साथ ही उन्हें हर घंटे 9,999 रुपये का सोना या हर दिन 50,000 रुपये का हिरा जीतने का मौका मिलेगा। भारत में त्योहारों की परंपरा में सोने और हীরे की खास जगह है। इन्हें समृद्धि, सौभाग्य, खुशियों और नई शुरुआत का प्रतीक माना जाता है। इन्हीं को इनाम के रूप में शामिल करके फिलिप्स होम अप्लायसेज त्योहारी खरीदारी की खुशी के साथ अचानक इनाम मिलने का रोमांच भी देना चाहती है। साथ ही खरीद पर मिलने वाले तय तोहफों से ग्राहकों को अतिरिक्त फायदा भी पहुंचाना चाहती है। इस कैपेन पर वर्सुनी ईडिया का चीफ मार्केटिंग ऑफिसर पूजा बैद ने कहा, ‘सोने पे सुहागा’ को जो प्रतिक्रिया मिली, उससे हमें समझ आया कि ग्राहक त्योहारों पर आम ऑफर्स से कुछ अलग अनुभव पसंद करते हैं।

शरीर

से भी जुड़ा है। नवरात्र के नौ दिनों में शक्ति की आराधना और दसवें दिन विजयादशमी का उत्सव इस बात का प्रतीक है कि साधना के बाद सिद्धि, संघर्ष के बाद सफलता और आत्मबल के जागरण के बाद विजय का मार्ग प्रशस्त होता है। मां दुर्गा की उपासना हमें यह संदेश देती है कि जीवन की चुनौतियों का सामना करने के लिए शक्ति और संवेदना, साहस और विवेक तथा पराक्रम और करुणा का समन्वय आवश्यक है। भारतीय आध्यात्मिक परंपरा में शक्ति का अर्थ केवल बाहुबल अथवा प्रभुत्व नहीं है, बल्कि आत्मबल, इच्छाशक्ति, धैर्य, आत्मसंयम और अन्याय के विरुद्ध खड़े होने की नैतिक क्षमता भी है। इसीलिए दशहरा शक्ति की साधना के साथ-साथ उस शक्ति के सदुपयोग का भी पर्व है।

दशहरा पर्व का आध्यात्मिक पक्ष अत्यंत गहरा है। बाहरी रावण का दहन तभी सार्थक है, जब मनुष्य अपने भीतर बैठे रावण को पहचानने और परास्त करने का साहस जुटाए। काम, क्रोध, लोभ, मोह, मद, मत्सर, अहंकार, आलस्य, हिंसा और चोरी जैसी प्रवृत्तियां मनुष्य के व्यक्तित्व को भीतर से दुर्बल बनाती हैं। रावण के दस सिरों को इन दस विकारों के प्रतीक के रूप में भी देखा जा सकता है। प्रतिवर्ष रावण के पुतले जलते हैं, आतिशबाजी होती है और उत्सव संपन्न हो जाता है, लेकिन यदि हमारे भीतर ईर्ष्या, छत्र, स्वार्थ, द्वेष और अहंकार जीवित रहें, तो विजयादशमी का मूल उद्देश्य अधूरा रह जाता है। सच्चा दशहरा वह है, जब हम किसी के प्रति अपने मन में पल रहे द्वेष को समाप्त करें, अपने व्यवहार से छल को निकालें, अपने अधिकारों के साथ कर्तव्यों को स्वीकारें और अपनी सफलता में दूसरों के योगदान को भी सम्मान दें। आत्मविजय ही सभी विजयों का आधार है।

भारतीय संस्कृति उत्सव को साधना और साधना को जीवन की श्रेष्ठता से जोड़ती है। विजयादशमी इसी परंपरा का जीवंत उदाहरण है। इस दिन शश्रूपूजा की जाती है, नए कार्यों का शुभारंभ होता है और विजय की कामना के साथ जीवन में आगे बढ़ने का संकल्प लिया जाता है। शश्रूपूजा का वास्तविक अर्थ केवल अस्रों की आराधना

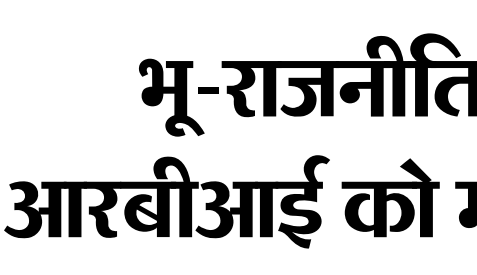
नवपद ओली की आराधना-तपस्या पाप कर्मों का क्षय करने का पर्व है

शरीर को स्वस्थ बनाए रखने के लिए तथा तन मन को निर्मल बनाने के लिए लाभग हर धर्म में उपवास और तपस्या आदि:-जैसे हिंदू धर्म में नवरात्री तथा जैन धर्म में आत्मा के लिए ओली जी की तपस्या से जीवन को अनमोल हीरा बनाया जाता है।

हम जैसा कर्म करेंगे वैसा ही हमें फल प्राप्त होगा हजारों सितारों में चांद एक ही होता है, हजारों वृक्षों में चंदन एक ही होता है, खानों में पत्थर तो कई मिलते हैं, लेकिन हीरा लाखों में एक ही मिलता है, हजारों मंत्रों में दुर्लभ नवकार मंत्र एक ही होता है। नव पद ओली जी की तपस्या की आराधना सभी तपस्या में सर्वश्रेष्ठ होती हैं। आर्यबिल की तपस्या हमारे पाप कर्मों को क्षय करती है।

जैन धर्म के अनुसार साल में दो बार ओलीजी की तप आराधना की जाती है। चैत्र मास के शुक्ल सप्तमी से पूर्णिमा (25 मार्च 2 अप्रैल तक 2026, जो संपन्न हुई) तथा आश्विन मास में शुक्ल पक्ष के सप्तमी से पूर्णिमा (18 अक्टूबर से 26 अक्टूबर, 2026) तक ओली जी तप की आराधना की जायगी।

नवपद ओलीजी की तपस्या का महत्व जानना अत्यंत आवश्यक है। इस तपस्या के करने से आत्मा पवित्र और मन शुद्ध होता है। ओलीजी की तपस्या की साधना से रोग, शोक और व्याधियां नहीं होती है। कष्ट दूर होते हैं। जीवन में आने वाली विपत्तियां दूर होती है। इससे त्याग की प्रेरणा मिलती है। श्रीपाल महाराज जब पांच वर्ष की आयु में थे, तो उनके पिता का



भू-राजनीतिक जोखिमों से निपटने के लिए आरबीआई को मौद्रिक नीति में बदलाव की जरूरत

इस वर्ष मई में रुपया कमजोर होते हुए डॉलर के मुकाबले 96 का स्तर पार कर गया। इसके बाद जून में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने विदेशी निवेश बढ़ाने के लिए मुद्राओं की रियायती अदला-बदली (स्वैप) सुविधा उपलब्ध कराने के लिए कई उपायों का ऐलान किया। इनमें खासकर विदेशी मुद्रा अनिवासी (बैंक) जमा यानी एफसीएनआर (बी) शामिल थी। तब उम्मीद की गई थी कि इन उपायों से लगभग 50 अरब डॉलर निवेश आयागा और रुपया पर दबाव कम करने में मदद मिलेगी। इस स्तंभ के लेखक ने उस समय तर्क दिया था कि तेल की कीमतों और विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की तरफ से बिकवाली की आशंका देखते हुए आरबीआई की योजनाओं के तहत आने वाली रकम नाकाफी साबित होगी। नीतिगत दर में बढ़ोतरी तय है और वही हुआ। मौद्रिक नीति समिति (एएमपीसी) ने 7 अक्टूबर को रीपो दर 25 आधार अंक बढ़ाने का निर्णय लिया।

आरबीआई के खास उपायों के तहत कुल 143 अरब डॉलर का भारी-भरकम निवेश आया। मगर इससे रुपये की सेहत पर कोई खास फर्क नहीं पड़ा है और यह डॉलर के मुकाबले 96 के इर्द-गिर्द कारोबार कर रहा है। दो महीने के अंतराल के बाद सितंबर में एफआईआई ने फिर बिकवाली शुरू कर दी और कुल 6 अरब डॉलर रकम काफूर हो गई।

जून के बाद से आर्थिक माहौल में दो अहम बदलाव आए हैं। कच्चे तेल की कीमत 85-90 डॉलर से बढ़कर अब 100 डॉलर से ऊपर चली गई है। यह तेल की वायदा कीमत है। कच्चे तेल की वायदा बाजार कीमत भारत के लिए यहां तक पहुंचने की लागत नहीं दर्शाती है। सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार का कहना है कि वर्तमान में भारत के तेल आयात बारफेट की कीमत 114 डॉलर है। यह वित्त वर्ष 2026 में 71 डॉलर पर औसत कीमत के मुकाबले 61 फीसदी की बढ़ोतरी है। तेल के दाम उस स्तर पर पहुंच गए हैं जो हमारी सुविधाजनक दायरे से काफी ऊपर हैं।

दूसरा कारण पिछले महीने अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व द्वारा नीतिगत दर में 25 आधार अंक बढ़ाकर का निर्णय था। माना जा रहा है कि फेडरल रिजर्व दरें और बढ़ा सकता है क्योंकि अमेरिका में मुद्रास्फीति निर्धारित सीमा या लक्ष्य से ऊपर बनी हुई है।

अमेरिकी सरकारी बॉन्ड (ट्रेजरी) पर यील्ड में किसी भी बढ़ोतरी का भारत पर दो तरह से असर पड़ता है। पहला, इससे आम तौर पर भारत जैसे उभरते बाजारों से धन बाहर निकल जाता है जिससे रुपया कमजोर होता है। दूसरा, इससे अमेरिका

नहीं, बल्कि शक्ति के प्रति श्रद्धा और उसके उत्तरदायी उपयोग का संकल्प है। आज के संदर्भ में हमारे शस्त्र ज्ञान, विवेक, शिक्षा, विज्ञान, श्रम, नैतिकता और सत्यनिष्ठा भी हैं। यदि इन शक्तियों का उपयोग मानवता के कल्याण के लिए किया जाए, तो वे राष्ट्रनिर्माण के प्रभावशाली साधन बन सकती हैं। दशहरा हमें अकर्मण्यता से कर्मशीलता, निराशा से आशा और निष्क्रियता से सृजनशीलता की ओर बढ़ने की प्रेरणा देता है। यह दिन अपने अधूरे संकल्पों को पूरा करने, नई संभावनाओं के द्वार खोलने और जीवन को श्रेष्ठ दिशा देने का अवसर है।

दशरहे का एक महत्वपूर्ण पक्ष प्रकृति, कृषि और लोकजीवन से उसका संबंध भी है। भारतीय समाज में यह पर्व फसल, उम्मीक, ऋतु-परिवर्तन और सामुदायिक उल्लास की परंपराओं से जुड़ा रहा है। शमी वृक्ष की पूजा, उसके पत्तों का आदान-प्रदान और नए कार्यों का शुभारंभ प्रकृति के प्रति श्रद्धा तथा मंगलकामना की भावना को व्यक्त करते हैं। कृषि प्रधान भारत में फसल की समृद्धि केवल आर्थिक उपलब्धि नहीं, बल्कि धरती, किसान और प्रकृति के परस्पर सहयोग का उत्सव भी है। यह परंपरा हमें याद दिलाती है कि मनुष्य की प्रागति प्रकृति से अलग होकर संभव नहीं है। जिस संस्कृति ने वृक्षों, नदियों, पर्वतों और धरती में पवित्रता का अनुभव किया, उसकी उत्सवधर्मिता में पर्यावरण संरक्षण और सह-अस्तित्व की प्रेरणा भी अंतर्निहित है। आज जब पर्यावरणीय संकट मानवता के सामने गंभीर चुनौती बन रहा है, तब दशहरा हमें प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को पुनः समझने का अवसर देता है।

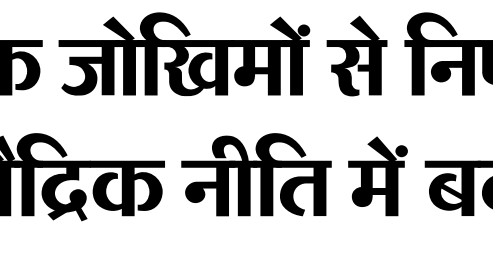
विजयादशमी भारतीय संस्कृति की समन्वयकारी चेतना का भी उत्सव है। देश के अलग-अलग क्षेत्रों में इसे विविध रूपों में मनाया जाता है। कहीं रामलीला और रावण-बिहन होता है, कहीं दुर्गापूजा के बाद मां की विदाई, कहीं शस्त्रपूजा तो कहीं लोकपरंपराओं के माध्यम से विजय का उल्लास व्यक्त किया जाता है। इन विविधताओं के पीछे एक साझा सांस्कृतिक सूत्र है-सत्य के प्रति आस्था, धर्म के प्रति निष्ठा, शक्ति के प्रति समान और

भू-राजनीतिक जोखिमों से निपटने के लिए आरबीआई को मौद्रिक नीति में बदलाव की जरूरत

स्वर्गवास हो गया। उन्हें पांच वर्ष की आयु में ही राजगद्दी पर विराजित किया गया तथा उनका जीवन विपत्ति और संघर्ष से भरा था, लेकिन उन्होंने धैर्य नहीं खोया और श्री पाल महाराज का जीवन नवपद आराधना के साथ धर्म से जुड़ गया था। इसके परिणाम स्वरूप उन्होंने अपने जीवन में कई संसारी सिद्धियाँ प्राप्त की। मनुष्य यदि धर्म और धैर्य दोनों ही जीवन में आत्म करें तो जीवन महान और उन्नत बन सकता है। तपस्या आत्मा को जीवन का अनमोल हीरा बना देती है। नवपद आराधना एवं वैमनस्य को हटाकर मैत्री भाव जगाती है। दिल से दान देने वाला दानवीर कहलाता है। उसी प्रकार जो तप करता है, वह उतना ही निर्मल बनता है। हमें ओली की तपस्या का सात्विक सत्य जानकर ही तपस्या करनी चाहिए। कई जैन श्रावक-श्राविकाओं को नवपद ओलीजी साधना तपस्या का वास्तविक परिचय नहीं होने के कारण, संज्ञान नहीं होता है।

यहां बता दें ओली जी की एक ऐसी तप साधना है, जिसमें साधक नौ दिनों तक नौ पदों का स्मरण आराधना, आर्यबिल और धार्मिक क्रियाएं करते हैं । इसका उद्देश्य आत्म शुद्धि कर्मों की निर्जरा और मोक्ष मार्ग की ओर अग्रसर होना है।

नवपद ओली जी की आराधना से मन पवित्र होता है, और आत्मा शुद्ध होती है। नवपद ओलीजी की तपस्या आराधना से मोक्ष मिलता है। गौतम स्वामी महाराज ने कहा कि उसका अनुभव किया जा सकता है, वर्णन नहीं किया जा सकता है। नवपद ओलीजी रास सम्यक रास जगाता है। नवपद की आराधना का ध्यान हृदय में आत्मा साथ करें तो नवपद का



और भारत में 10 वर्ष की अवधि के बॉन्ड पर मिलने वाले यील्ड के बीच का अंतर कम हो जाता है। 195 आधार अंक पर 10 वर्ष की अवधि के सरकारी बॉन्ड पर मिलने वाली यील्ड का अंतर पिछले पांच वर्षों में सबसे कम है। यह भी रुपये के मूल्य ह्रास का एक बड़ा कारण रहा है।

आरबीआई रुपये को किसी खास स्तर पर रोके नहीं रखना चाहता। मगर उस रुपये की कीमत में आई गिरावट थापमने के लिए कुछ न कुछ तो करना पड़ता क्योंकि ऐसा नहीं करने पर देश में मुद्रास्फीति बढ़ सकती है। जून में घोषित उपाय रुपये को थापमने में कामयाब नहीं हो पाए। इसके बजाय, वित्तीय तंत्र में अतिरिक्त नकदी आ गई जिममें लगभग आधी आरबीआई ने वापस खींच ली है। वित्तीय तंत्र में अतिरिक्त नकदी होने से ब्याज दरों में बढ़ोतरी का असर दिखना और मुश्किल हो जाता है।

इस तरह, जून और अगस्त में ब्याज दरें नहीं बढ़ाने से आरबीआई को अब कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। इनमें तेल की ऊंची कीमतें, अतिरिक्त नकदी, अमेरिकी सरकारी बॉन्ड पर यील्ड में बढ़ोतरी, अमेरिका और भारत में दीर्घ अवधि की यील्ड के बीच कम अंतर और एफआईआई की तरफ से लगातार बिकवाली शामिल हैं। अगर नीतिगत दर पहले ही बढ़ा दी जाती तो आरबीआई का काम आसान हो जाता। इससे विदेशी मुद्रा बाजार में डॉलर बेचकर दखल देने की जरूरत भी कम हो सकती थी।

माना जाता है कि मौद्रिक नीति भविष्य को ध्यान में रखकर बनाई जाती है। हालांकि, वर्तमान में ‘भविष्य को ध्यान में रखने’ के तरीके या विकल्प सीमित दिखाई दे रहे हैं। केंद्रीय बैंक (और अंतरराष्ट्रीय एजेंसियां) आमतौर पर आर्थिक स्थिति पर एक राय बनाते हैं, एक शुरुआती अनुमान लगाते हैं और कहते हैं कि सब कुछ ‘भू-राजनीतिक जोखिमों’ पर निर्भर करता है।

दुनिया में भू-राजनीतिक जोखिम आम बात हैं और इन हालात में ऐसा तरीका काम नहीं आएगा। केंद्रीय बैंक भू-राजनीतिक जोखिमों (जैसे युद्ध, प्रतिबंध, व्यापारिक टकराव) के सिर उठाने के बाद जवाबी कदम नहीं उठा सकता। उन्हें मौद्रिक नीति में भू-राजनीतिक जोखिमों को साफ तौर पर ध्यान रखना होगा और उन्हें लेकर गंभीर रख अपनाना होगा। टकराव कितने समय तक चलेंगे? इसका ऊर्जा की कीमतों और आपूर्ति श्रृंखला पर क्या असर पड़ेगा? मौद्रिक नीति तैयार करते समय केंद्रीय बैंकों को ऐसे सवाल पछुने और उनके जवाब खोजने की जरूरत है।

जून और अगस्त में कुछ सवाल पूछे जाने चाहिए थे। उनमें पहला प्रश्न यह था कि क्या अमेरिका-ईरान टकराव के सुलझने

जीवन में मंगल की कामना। आज दशहरे के संदेश को अपने सामाजिक और राष्ट्रीय जीवन में उतारना पहले से अधिक आवश्यक है। भ्रष्टाचार, हिंसा, सामाजिक विद्वेष, अनैतिक प्रतियस्धा, छलपूर्ण व्यवहार और स्वार्थपरक राजनीति जैसी प्रवृत्तियां समाज की नैतिक शक्ति को कमजोर करती हैं। इन बुराइयों का अंत केवल भाषणों, नारों अथवा प्रतीकात्मक आयोजनों से नहीं हो सकता। इसके लिए व्यक्तिगत चरित्र, सामाजिक उत्तरदायित्व और संस्थागत ईमानदारी को मजबूत करना होगा। यदि हम अपने कार्यक्षेत्र में प्रामाणिकता अपनाएं, सार्वजनिक जीवन में कर्तव्यनिष्ठ रहें, शिक्षा और चिकित्सा को मानवीय संवेदना से जोड़ें तथा समाज में प्रेम और सद्भाव को बढ़ावा दें, तो यही दशरहे की वास्तविक साधना होगी। राष्ट्र की शक्ति केवल उसकी आर्थिक समृद्धि, सैन्य क्षमता अथवा तकनीकी उपलब्धियों में नहीं, बल्कि उसके नागरिकों के चरित्र, नैतिकता, अनुशासन और परस्पर विश्वास में भी निहित होती है।

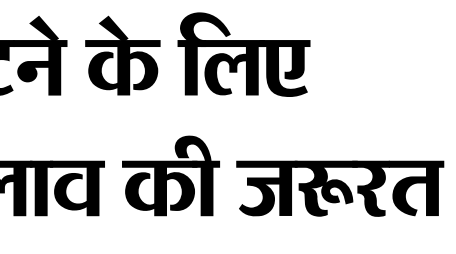
दशहरा अंततः बाहरी विजय से अधिक आंतरिक जागरण का पर्व है। यह हमें अपने भीतर प्रकाश का दीप जलाने, निराशाओं के बीच आशा खोजने, कठिनाइयों में साहस बनाए रखने और जीवन को नवसृजन की दिशा देने का संदेश देता है। आइए, इस विजयादशमी पर हम केवल रावण का पुतला जलाने तक सीमित न रहें, बल्कि अपने भीतर के अहंकार, स्वार्थ, असत्य और दुर्बलताओं को समाप्त करने का संकल्प लें। सत्य को अपना आधार, विवेक को अपना मार्गदर्शक, करुणा को अपना स्वभाव और कर्म को अपनी साधना बनाएं। यही भारतीय संस्कृति की आध्यात्मिक विरासत का सम्मान है, यही उत्सव की सार्थकता है और यही वह विजय है, जो व्यक्ति के जीवन को प्रकाशित करते हुए परिवार, समाज और राष्ट्र में नई चेतना का संचार कर सकती है। क्योंकि सच्चा दशहरा तभी है, जब रावण का दहन मैदान में ही नहीं, मन में भी हो; विजय का उत्सव केवल आतिशबाजी में नहीं, आचरण में दिखाई दे; और प्रकाश केवल दीपों में नहीं, हमारे विचारों, संस्कारों तथा कर्मों में भी प्रकट हो।

-ललित गर्ग

भू-राजनीतिक जोखिमों से निपटने के लिए आरबीआई को मौद्रिक नीति में बदलाव की जरूरत

आनंद 100 गुना ज्यादा हो जाता है। भगवान महावीर श्री देशना के अनुसार नवपद ओली आत्मकल्याण का सर्वोत्तम साधना है। यह जिन शासन के नौ रत्न अरिहत्त, सिद्ध, आचार्य, उपाध्याय, साधु, सम्यक दर्शन और सम्यक ज्ञान, सम्यक चरित्र और तप की आराधना है। हर रत्न के गुणों के अनुसार क्रियाएं होती है। आर्यबिल में उसी रंग के खाद्य पदार्थ का सेवन किया जाता है, जो उस गुणधर्म से जुड़ा होता है। नवपद की आराधना के लिए छह माह पूर्व ही अभ्यास प्रारंभ कर देने से नवपद की तपस्या की खुशियाँ दुगुनी होकर दुगुना आनंद देती है। नवपद ओलीजी से आर्यबिल तपस्या उपवास के साथ नवकार महामंत्र, भक्ताम्र पाठ, शांति जाप करके इस तप की आराधना की जाती है। आर्यबिल के दौरान रुक्श, सिनग्धता रहित, लग्न रहित, उबला हुआ, सुपाच्य लघु भोजन एक समय खाने को तथा धोवन पानी सूर्यास्त पूर्व तक पीने का विधान है। प्रतिदिन आर्यबिल में बिना तेल, घी, मिर्च मसाले के भोजन के साथ किया जाता है। ओली तप वास्तव में वैज्ञानिक तथ्यों पर आधारित है। निश्चित ही नवपद आराधना को सच्चे मन से आत्मसात करें, तो संसार सागर से भवपात्र हो सकता है। जैसा कि श्रीपाल और मैयना सुन्दरी ने नवपद की आराधना की तो, तो, उन्हें शांति और संतोष मिला था। नवपद ओली तपस्या की आराधना को हृदय से जीवन में आत्मसात करना चाहिए, तभी आत्मा का कल्याण हो सकता है ,नवपद ओली की तपस्या आराधना आत्म कल्याण का सशक्त माध्यम होता है।

-डॉ. बी. आर. नलवाया



की कोई ठीक-ठाक संभावना है? दूसरा प्रश्न यह था कि अगर ऐसा नहीं होता है तो तेला की कीमतों पर इसका क्या असर पड़ेगा? इनके जवाब काफी साफ-सुथरे होने चाहिए थे। मुख्य मुद्दों पर ईरान और अमेरिका का रुख इतना अलग था (और अब भी है) कि शांतिपूर्ण समाधान की संभावना बहुत कम थी। इसका मतलब था कि तेल की आपूर्ति में बाधा जारी रहेगी और तेल की कीमतें लगातार बढ़कर 85 से 90 डॉलर के दायरे से काफी ऊपर चली जाएंगी। तेल की कीमतों के 100 डॉलर से ऊपर जाने और वहां बने रहने

सतपुड़ा एकेडमी में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हुआ कन्या पूजन, गरबों पर झूमे विद्यार्थी

देवी स्वरूपा कन्याओं की महाआरती कर लिया आशीर्वाद, फरियाली महाप्रसाद का वितरण; शस्त्र पूजन के साथ लिया राष्ट्र रक्षा का संकल्प

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सतपुड़ा एकेडमी में नवरात्रि पर्व पर भक्ति, परंपरा और संस्कारों का अनूठ संगम देखने को मिला। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच देवी स्वरूपा कन्याओं का पूजन कर महाआरती की गई, वहीं माता रानी के भजनों पर विद्यार्थियों ने गरबों की आकर्षक प्रस्तुतियां देकर उत्सवी माहौल को भक्तिमय बना दिया।

कार्यक्रम में कन्या पूजन के साथ शस्त्र पूजन कर राष्ट्र रक्षा का संकल्प भी लिया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथियों द्वारा माता रानी की प्रतिमा एवं अखंड ज्योत के विधि-विधान से पूजन-अर्चन के साथ हुआ। इस अवसर पर टोंकखुर्द तहसील की एसडीएम ऋतु चौरसिया, वैभव विहार शिक्षा

जीआरपी विदिशा ने मेमो ट्रेन में 10 लाख रुपये से भरे बैग की चोरी का किया खुलासा



बैग की चोरी के मामले का खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 9 लाख 36 हजार रुपए नगद, एक मोबाइल फोन, बैग और मोबाइल चार्जर सहित लगभग 9 लाख 43 हजार रुपए की संपत्ति जब्त की है।

06 अक्टूबर को फरियादी अपने मालिक के निर्देश पर बीना स्थित एक प्लायवुड दुकान से 10 लाख रुपए की राशि लेने गया था। राशि प्राप्त करने के बाद उसने 500-500 रुपये की 20 गड़ियां अपने काले रंग के पिट्टू बैग में रखीं और बीना से भोपाल जाने वाली मेमो ट्रेन में सवार हो गया। गंजबासौदा रेलवे स्टेशन पर ट्रेन में भीड़ अधिक होने के कारण उसने बैग को सीट के ऊपर लगी रैलिंग पर रख दिया। इसके बाद नींद लग जाने से उसे बैग के गायब होने का पता चला। विदिशा रेलवे स्टेशन पर जाने के बाद बैग नहीं मिलने पर उसने जीआरपी थाना विदिशा में शिकायत दर्ज कराई। इस पर अपराध दर्ज कर विवेचना प्रारंभ की गई।

घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक रेल भोपाल श्री अंकित जायसवाल के निर्देशन में विशेष टीम गठित की गई। टीम ने फरियादी के आने-जाने के मार्गों एवं संबंधित स्थानों पर लगे लगभग 200 सीसीटीवी कैमरों के फुटेज का बारीकी से अवलोकन किया। इसके साथ ही मुखबिर तंत्र को सक्रिय कर सदिध व्यक्तियों से पूछताछ की गई। विवेचना के दौरान प्राप्त सदिग्ध के हुलिए का रेल इकाई भोपाल के विभिन्न थानों में पूर्व अपराधों में सलिस आरोपियों के रिकॉर्ड से मिलान किया गया।

भोपाल में होगा फिशरीज इन्वेस्टर्स एंड एक्सपोर्टर्स कॉन्वलेव-2026

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश में मत्स्य पालन क्षेत्र में निवेश, प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन और निर्यात की संभावनाओं को नई दिशा देने के उद्देश्य से 23 अक्टूबर 2026 को भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर में फिशरीज इन्वेस्टर्स एंड एक्सपोर्टर्स कॉन्वलेव-2026 का आयोजन किया जाएगा। मछुआ कल्याण एवं मत्स्य विकास राज्य मंत्री श्री नारायण सिंह पंवार ने बताया कि कॉन्वलेव का मुख्य उद्देश्य मध्यप्रदेश सहित देश के अंतर्देशीय मत्स्य उत्पादन को आधुनिक प्रसंस्करण इकाइयों, कोल्ड-चेन अधोसंरचना, मूल्य संवर्धन और राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय निर्यात बाजारों से जोड़ना है। सम्मेलन में देश के प्रमुख निवेशक, निर्यातक, मत्स्य उद्यमी, स्टार्ट-अप और संबंधित क्षेत्रों के विशेषज्ञ भाग लेकर मत्स्य उद्योग में निवेश एवं व्यापार विस्तार की संभावनाओं पर विचार-विमर्श करेंगे। मध्यप्रदेश में लगभग 4 लाख 50 हजार हेक्टेयर जल क्षेत्र उपलब्ध है, जो अंतर्देशीय मत्स्य पालन, केज कल्चर और मत्स्य आधारित उद्योगों के विकास की व्यापक संभावनाएं प्रदान करता है।

वित्तीय समावेशन योजनाओं के तहत 21 अक्टूबर से 31 दिसंबर तक आयोजित होंगे विशेष शिविर

जिले की प्रत्येक ग्राम पंचायत एवं नगरीय निकाय में लगेंगे शिविर, पात्र हितग्राहियों को योजनाओं से जोड़ने पर रहेगा विशेष फोकस

सीहोर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारत सरकार के निर्देशानुसार वित्तीय समावेशन योजनाओं के शत-प्रतिशत लाभ सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सीहोर जिले की प्रत्येक ग्राम पंचायत एवं नगरीय निकाय में 21 अक्टूबर से 31 दिसंबर 2026 तक विशेष शिविरों का आयोजन किया जाएगा। जिला पंचायत सीईओ श्रीमती सर्जना यादव द्वारा अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए संचालित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं।

अभियान के अंतर्गत प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना एवं अटल पेंशन योजना के लिए पात्र हितग्राहियों का पंजीयन, बैंक खातों में आधार सीडिंग, प्रधानमंत्री



समिति के अध्यक्ष एवं भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ. रायसिंह संभव, जिला पंचायत अध्यक्ष लीला अटारिया, भाजपा महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष मनोरमा सोलंकी, भाजपा जिला कार्यसमिति सदस्य मोनिका शर्मा तथा भाजपा नेता भेरूलाल अटारिया उपस्थित रहे।

सजाया गया था, वहीं माता की वेशभूषा में सजी कन्याएं विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं। भजनों पर गरबों की प्रस्तुति, भक्तिमय हुआ परिसर- सांस्कृतिक कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने पखिड़ा ओ पखिड़ा, ढोली तारो ढोल बाजे, छन-छन बाजे पांव पैजनिया और जोगिरा थारा जैसे गीतों पर गरबों की

ग्वालियर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्वालियर जिले के किसान भाइयों से अपील की गई है कि वे फसल कटाई के बाद खेतों में बची पराली व नरवाई को न जलाएं। नरवाई जलाने से मिट्टी की उर्वरा शक्ति प्रभावित होती है, मिट्टी में मौजूद लाभकारी जीवाणुओं को नुकसान पहुंचता है और वायु प्रदूषण भी बढ़ता है। इसके स्थान पर किसान आधुनिक कृषि यंत्रों की सहायता से फसल अवशेषों का उचित प्रबंधन करें। इसके लिए किसान जे-फार्म ऐप के माध्यम से अपनी आवश्यकता के अनुसार कृषि यंत्र किराये पर प्राप्त कर सकते हैं। इस आशय की अपील जिला प्रशासन द्वारा की गई है। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने व्यापक जन जागरूकता अभियान चलाकर किसान भाइयों को नरवाई प्रबंधन के लिये प्रेरित करने के निर्देश विभागीय अधिकारियों को दिए हैं।

कृषि यंत्र किराये पर लेने के लिए जे-फार्म ऐप पर करें पंजीयन, घर बैठे मिलेगी सुविधा उउ संचालक किसान कल्याण एवं कृषि विकास श्री भानुप्रकाश शर्मा ने बताया कि खेतों में नरवाई प्रबंधन सहित अन्य कृषि कार्यों के लिए ट्रैक्टर एवं कृषि यंत्र किसान भाई घर बैठे किराए से ले सकते हैं। इसके लिये उन्हें जे-फार्म सर्विसेज प्लेटफॉर्म के माध्यम से कृषि यंत्र किराये पर लेने

समूह से 50 हजार का ऋण लेकर शुरू किया मुर्गी पालन, अब हर महीने कमा रहीं 15 हजार रुपए



2024 में उन्होंने मुर्गी पालन शुरू करने का निर्णय लिया। समूह से 50 हजार रुपए का ऋण लिया और 40 हजार रुपये से शेड का निर्माण करवाया। इसके बाद शेष राशि और अपने प्रयासों से जुटाकर करीब एक लाख रुपए की लागत से पोल्ट्री फार्म तैयार किया।

शुरुआत में उन्होंने 100 चूजों के साथ व्यवसाय शुरू किया। मेहनत और अनुभव के आधार पर धीरे-धीरे व्यवसाय बढ़ाया और अब वे 200 मुर्गियों और चूजों का पालन कर रही हैं। उनके फार्म में देशी और हाइब्रिड

पंडित सचिन अवस्थी के आचार्यत्व में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ अतिथियों ने छोटी कन्याओं के चरण पखारे, तिलक लगाकर पुष्पमालाएं पहनाई और चुनरी ओढ़कर श्रीफल एवं दक्षिणा भेंट की। इसके बाद माता रानी और कन्याओं की महाआरती कर आशीर्वाद लिया गया। विद्यालय परिसर को तोरण एवं रंगोली से

मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। बच्चों की प्रस्तुतियों ने उपस्थित अतिथियों, अभिभावकों और विद्यालय स्टाफ का ध्यान आकर्षित किया। कार्यक्रम के दौरान संस्था की ओर से विद्यार्थियों एवं उपस्थितजनों को फरियाली खिचड़ी की महाप्रसादी वितरित की गई।

कन्या पूजन के साथ उनकी रक्षा का संकल्प- मुख्य अतिथि एसडीएम ऋतु चौरसिया ने विद्यार्थियों को नवरात्रि पर्व का महत्व बताते हुए विद्यालय के अनुशासन और संस्कारों की प्रशंसा की। उन्होंने बच्चों को मां की आराधना से प्रेरणा लेकर अपने जीवन के लक्ष्य की ओर आगे बढ़ने का संदेश दिया तथा सभी को नवरात्रि की शुभकामनाएं दीं।

वैभव विहार शिक्षा समिति के अध्यक्ष एवं भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ. रायसिंह संभव

नरवाई न जलाएं, जे-फार्म ऐप से कृषि यंत्र किराये पर लेकर करें फसल अवशेषों का प्रबंधन

की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। इससे किसानों को समय पर आवश्यक यंत्र मिल सकेंगे और खेती की लागत कम करने में भी मदद मिलेगी। जे-फार्म ऐप के माध्यम से कृषि यंत्र किराये पर लेने की प्रक्रिया- किसान भाई अपने एंड्रॉयड मोबाइल में गूगल प्ले स्टोर पर जाकर जे-फार्म सर्विसेज - लाइट ऐप डाउनलोड कर सकते हैं। ऐप का आधिकारिक लिंक https://play.google.com/store/apps/detail?s?id=com.jfs.hiringappllite है। ऐप खोलकर मोबाइल नंबर दर्ज करें और ओटीपी के माध्यम से सत्यापन कर पंजीयन या लॉगिन की प्रक्रिया पूरी करें। इसके बाद मांगी गई आवश्यक जानकारी भरें। किसान अपने गांव, क्षेत्र और खेत से संबंधित आवश्यक विवरण दर्ज करें, ताकि आसपास उपलब्ध कृषि यंत्रों और सेवा प्रदाताओं की जानकारी प्राप्त की जा सके। कृषि यंत्र चुनें - नरवाई प्रबंधन सहित अपनी आवश्यकता के अनुसार सुपर सीडर, हैप्पी सीडर, मल्चर या अन्य उपयुक्त कृषि यंत्र का चयन करें। ऐप पर उपलब्ध यंत्रों की जानकारी देखकर अपनी जरूरत के अनुसार विकल्प चुनें। यंत्र मालिक या सेवा प्रदाता से संपर्क करें - ऐप पर उपलब्ध जानकारी के माध्यम से संबंधित यंत्र मालिक अथवा सेवा प्रदाता से संपर्क कर

ने कहा कि नवरात्रि में देवी शक्ति स्वरूपा कन्याओं का पूजन करने का अवसर मिलना सौभाग्य की बात है। उन्होंने कन्याओं की रक्षा का संकल्प भी दिलाया। कार्यक्रम के समापन पर विद्यार्थियों ने शस्त्र पूजन कर राष्ट्र रक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

संस्था संचालक भानुप्रताप सिंह सेंभव, प्राचार्य वीएस जॉब, उपप्राचार्य रश्मि रघुवंशी, इंचार्ज पलवी भटनागर एवं शीतल शर्मा ने अतिथियों का चुनरी ओढ़कर, पुष्पमाला, श्रीफल और स्मृति चिह्न भेंट कर स्वागत किया। अतिथि परिचय दिनेश सांखला ने दिया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में विद्यार्थी, विद्यालय स्टाफ और अभिभावक उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अभिभावकों को नवरात्रि और दशहरे की शुभकामनाएं दीं।

ऐप का उपयोग करने में परेशानी होने पर सहायता के लिए संपर्क करें- जो किसान मोबाइल ऐप का उपयोग करने में असमर्थ हैं, वे जे-फार्म सर्विसेज के टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर 1800-4200-100 पर संपर्क कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए आधिकारिक वेबसाइट https://www.fjarmservices.in/ पर भी जा सकते हैं।

त्योहारों पर शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें - कलेक्टर बालागुरु के.

सीहोर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री बालागुरु के. ने आगामी त्योहारों को दृष्टिगत रखते हुए जिले में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिये सभी कार्यपालिक मजिस्ट्रेट को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए हैं। उन्होंने निर्देशित किया कि त्योहारों के दौरान शांति, सौहार्द एवं आपसी सद्भाव बनाए रखने के लिए सभी आवश्यक एहतियाती उपाय सुनिश्चित किए जाएं। साथ ही सभी कार्यपालिक मजिस्ट्रेट पुलिस अधिकारियों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित कर कानून व्यवस्था की स्थिति पर सतत निगरानी रखें, ताकि जिले में सभी त्योहार शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हो सकें।

कलेक्टर श्री बालागुरु के. ने विजयादशमी पर्व पर आयोजित होने वाले जुलूसों एवं चल समारोहों के दौरान विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि जुलूस एवं चल समारोह के मार्ग, समय तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं के संबंध में संबंधित अधिकारियों द्वारा समुचित तैयारी सुनिश्चित की जाए। कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए संवेदनशील क्षेत्रों को ध्यान में रखते हुए पर्याप्त संख्या में अधिकारी-कर्मचारियों एवं पुलिस बल की इष्टुटी लगाई जाए। सभी संबंधित अधिकारी अपने दायित्वों का गंभीरता से निर्वहन करें तथा किसी भी स्थिति से निपटने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं पहले से सुनिश्चित रखें। कलेक्टर ने दुर्गा प्रतिमाओं के विसर्जन को लेकर भी संबंधित अधिकारियों को

देवास नगर में 46 व जिले में कुल 125 पथ संचलन होंगे आयोजित



स्थपना दिवस के अवसर पर पूरे देश में पारंपरिक पथ संचलनों का आयोजन किया जाता है। इस वर्ष देवास जिले में ऑक्टोबर एवं नवंबर माह में कुल 125 मंडल, बस्ती एवं नगर पथ संचलन निकाले जाएंगे, इन संचलनों में जिले के 500 से अधिक गांवों एवं 350 से अधिक मोहल्लों के हजारों स्वयंसेवक सम्मिलित होंगे। पूर्ण गणवेश में अनुशासित कदमताल करते हुए स्वयंसेवक राष्ट्रभक्ति, सामाजिक समरसता, संगठन एवं राष्ट्रीय चेतना का संदेश देंगे। देवास जिले में इन आयोजनों को लेकर विभिन्न नगरों एवं मंडलों में तैयारियां की जा रही हैं। इस अवसर पर सभी स्थानों पर भारत माता एवं शस्त्र का पूजन भी किया जाएगा। अनेक स्थानों पर अस्थाई साहित्य विक्रय केंद्र एवं गौउत्पाद केंद्र भी लगाए जाएंगे।

देवास में इस वर्ष सर्वाधिक 46 पथ संचलन निकलेंगे। 32 बस्तियों के बस्ती पथ संचलन निकाले जाएंगे जो बस्ती के विभिन्न मोहल्लों के मार्ग को तय करेंगे। इसी प्रकार बाल स्वयंसेवकों के 13 पथ संचलन एवं महाविद्यालय विद्यार्थियों का एक पथ संचलन निकलेंगे

ग्रामीण अंचल में निकलेंगे 63 मंडल पथ संचलन- ग्रामीण अंचल के सभी 63 मंडल में पथ संचलन निकाले जाएंगे जिनमे 500 से अधीक गांवों के स्वयंसेवक सहभागी होंगे। इसी प्रकार जिले के अन्य नगरों में भी ऐसंचलन निकाले जाएंगे। सोनकच्छ में 4, हाटपिपल्या में 3, करनावद, पिपलरवा, टोंकखुर्द एवं भोरासा में 2-2 पथसंचलन निकलेंगे। सोनकच्छ नगर में 3 बस्ती पथसंचलन का संगम भी होगा।

चार माह से मानदेय और खाद्यान्न राशि के लिए भटक रही रसोइया बहनें, 22 अक्टूबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल का ऐलान

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में महिला स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से संचालित मध्याह्न भोजन व्यवस्था से जुड़ी समूह संचालक एवं रसोइया बहनों को पिछले चार माह से मानदेय और खाद्यान्न राशि का भुगतान नहीं होने से परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। अपनी समस्याओं के निराकरण और बकाया राशि के भुगतान की मांग को लेकर महिलाओं को कलेक्टर कार्यालय एवं जिला पंचायत के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। लगातार गुहार लगाने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं होने से अब महिलाओं ने अंदोलन का रास्ता अपनाने का निर्णय लिया है। महिला स्वयं सहायता समूह महा संघ की प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती माया मनोहर बैरागी एवं जिला अध्यक्ष श्रीमती ज्योति अर्जुन बैरागी ने बताया कि महिला स्वयं सहायता समूह महा संघ देवास के बैनर तले जिले की समूह संचालक एवं रसोइया बहनों ने 22 अक्टूबर 2026 से अनिश्चितकालीन चूल्हा बंद हड़ताल पर जाने की घोषणा की है। इस संबंध में संघ की ओर से जिला कलेक्टर को लिखित सूचना भी दी गई है। बकाया मानदेय एवं खाद्यान्न राशि के भुगतान के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन समस्या का निराकरण नहीं हो पाया है। इसी के चलते जिले की समस्त रसोइया बहनों एवं समूह संचालकों ने 22 अक्टूबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने का निर्णय लिया है। संघ ने स्पष्ट किया है कि हड़ताल के दौरान उत्पन्न होने वाली परिस्थितियों की समस्त जवाबदारी शासन एवं प्रशासन की रहेगी।

त्योहारों पर शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें - कलेक्टर बालागुरु के.

पर्व पर आयोजित होने वाले जुलूसों एवं चल समारोहों के दौरान विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि जुलूस एवं चल समारोह के मार्ग, समय तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं के संबंध में संबंधित अधिकारियों द्वारा समुचित तैयारी सुनिश्चित की जाए। कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए संवेदनशील क्षेत्रों को ध्यान में रखते हुए पर्याप्त संख्या में अधिकारी-कर्मचारियों एवं पुलिस बल की इष्टुटी लगाई जाए। सभी संबंधित अधिकारी अपने दायित्वों का गंभीरता से निर्वहन करें तथा किसी भी स्थिति से निपटने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं पहले से सुनिश्चित रखें। कलेक्टर ने दुर्गा प्रतिमाओं के विसर्जन को लेकर भी संबंधित अधिकारियों को

कार्यालय उज्जैन नगर पालिक निगम, उज्जैन

छत्रपति शिवाजी भवन आगर रोड उज्जैन

(online) निविदा आमंत्रण सूचना

विज्ञप्ति क्र :- शि.वि./2026/1787

उज्जैन दिनांक : 16/10/2026

निम्नांकित कार्य के लिए प्रपत्र 'अ' (फार्म ए) में प्रतिशत कम या अधिक के आधार पर प्रमुख अभियंता लोक निर्माण विभाग, म.प्र. शासन भोपाल के कार्यालय में पंजीकृत ठेकेदारों से उक्त विभाग में पंजीयन प्रमाण-पत्र एवं श्रेणी प्रमाण-पत्र की प्रमाणित प्रति प्रस्तुत करने पर ऑनलाइन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है तथा ठेकेदार की श्रेणी 'सी' एवं एम.पी. गवर्नमेंट नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग, म.प्र. भोपाल के एस.ओ.आर. दिनांक 02.08.2021 अनुसार सिविल क्र. 1 से 7 का टेंडर फार्म मूल्य 2000/- रुपये रहेगा।

सिरियल क्र. 1 व 7 तक का ऑनलाइन क्रय करने की अंतिम दिनांक 29.10.2026 समय 17:30, ऑनलाइन ई.एम.डी., राशि एवं समस्त दस्तावेज Submission करने की अंतिम दिनांक 29.10.2026 समय 17:30 रहेगी। सिविल क्र. 1 व 7 का ऑनलाइन निविदा दिनांक 30.10.2026 समय 18:00 बजे खोली जायेगी।

विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना एवं अन्य जानकारी वेबसाइट www.mptenders.gov.in पर देखी जा सकती है। यदि उपरोक्त निविदा में किसी प्रकार का संशोधन होता है तो इसकी सूचना ऑनलाइन दी जायेगी। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशित नहीं की जायेगी।

क्र.	टेंडर क्रमांक	कार्य का नाम	अनुमानित लागत	अर्नेस्टमनी रू.	समय अवधि
1	3	4	5	6	7
1	2026_UAD_542353_1	वार्ड क्र. 42 अंतर्गत विभिन्न स्थानों पर स्टील रेलिंग लगाये जाने बाबत।	508414/-	5100/-	30 दिन
2	2026_UAD_542354_1	वार्ड क्र. 42 अंतर्गत मेरूदण्ड ड अपार्टमेंट के पीछे हाशमी जी के घर से परमार पटवारी के घर तक नाली निर्माण।	411440/-	4120/-	30 दिन
3	2026_UAD_542356_1	वार्ड क्र. 46 अंतर्गत शास्त्री नगर गली नम्बर 10 में नाली तथा सी. सी. निर्माण कार्य।	844906/-	8500/-	30 दिन
4	2026_UAD_542358_1	वार्ड क्र. 45 अंतर्गत उज्जैन पब्लिक स्कूल के पास नाला मरम्मत एवं ढकने का कार्य।	842697/-	8500/-	30 दिन
5	2026_UAD_543259_1	वार्ड क्र. 50 अंतर्गत पंचमपुरा कबित वाली गली में नाली निर्माण एवं पेवर ब्लॉक कार्य।	423080/-	4250/-	30 दिन
6	2026_UAD_543265_1	वार्ड क्र. 46 अंतर्गत प्रजापति कॉलोनी में पेवर ब्लॉक तथा सी.सी. कार्य।	582912/-	5850/-	30 दिन
7	2026_UAD_543284_1	वार्ड क्र. 50 अंतर्गत ऋषि नगर कम्युनिटी टॉयलेट के पास सेप्टिक टैंक निर्माण।	508425/-	5100/-	30 दिन

कार्यपालन यंत्री
नगर पालिक निगम उज्जैन
दिनांक : 16/10/26

मानवीयता की अनूठी मिसाल

न्यू ज़ील फैशन वियर ने दिवंगत कर्मचारी के परिवार को सौंपी 3.01 लाख की आर्थिक सहायता

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। औद्योगिक क्षेत्र में कार्यरत कर्मचारियों के प्रति संवेदनशीलता और सामाजिक सरोकारों का अनुपम उदाहरण पेश करते हुए बदनावर की प्रतिष्ठित न्यू ज़ील फैशन वियर फैक्ट्री प्रबंधन ने शोक संतप्त परिवार को बड़ा आर्थिक संबल प्रदान किया है। हाल ही में सड़क दुर्घटना में जान गंवाने वाले युवा कर्मचारी के घर पहुंचकर संस्थान के उच्चाधिकारियों ने परिजनों को ढाढस बंधाया और सहायता राशि सौंपी। इसके साथ ही प्रबंधन ने क्षेत्रवासियों से सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों का कड़ाई से पालन करने की गंभीर अपील की है।

गत दिनों पेडलावद रोड पर ग्राम लिलीखेड़ी के पास एक अज्ञात वाहन की टक्कर से बखतपुर निवासी 18 वर्षीय निखिल पिता रामेश्वर पाटीदार का असामयिक निधन हो गया था। दिवंगत निखिल न्यू ज़ील फैशन वियर



फैक्ट्री में अपनी सेवाएं दे रहे थे। दुर्घटना की सूचना मिलते ही फैक्ट्री प्रबंधन ने तत्परता दिखाते हुए अपनी एंजुलेंस के माध्यम से उन्हें तत्काल अस्पताल पहुंचाया था, परंतु गंभीर चोटों के चलते उनकी जान नहीं बचाई जा सकी। इस युवा कर्मचारी के चले जाने से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर छा गई थी। दुःख की इस घड़ी में पीड़ित परिवार को संबल प्रदान करने

के लिए न्यू ज़ील फैशन वियर परिवार पूरी दृढ़ता के साथ खड़ा नजर आया। संस्थान के चेयरमैन दीनबंधू त्रिवेदी स्वयं दिवंगत निखिल पाटीदार के बखतपुरा स्थित निवास स्थान पहुंचे। उन्होंने शोकाकुल परिजनों से भेंट कर गहरी संवेदना व्यक्त की और परिवार को ढाढस बंधाते हुए 3 लाख 1 हजार रुपए की नगद आर्थिक

सहायता राशि सौंपी। ज़ील फैशन वियर के पीआरओ अजीत श्रीवास्तव ने जानकारी देते हुए बताया कि फैक्ट्री स्तर पर दी गई इस तात्कालिक सहायता के अलावा, कर्मचारी भविष्य निधि संगठन और कर्मचारी राज्य बीमा आयोग के नियमानुसार मिलने वाले सभी अन्य वैधानिक लाभ भी मृतक की पात्रता के आधार पर उसके

परिवार को प्रक्रिया पूरी होने पर शीघ्र प्रदान किए जाएंगे।

इस हृदयविदारक दुर्घटना से सबक लेते हुए न्यू ज़ील फैशन वियर के चेयरमैन दीनबंधू त्रिवेदी एवं डायरेक्टर मोहनलाल पांडे ने क्षेत्र के समस्त नागरिकों, युवाओं और कामगारों से एक महत्वपूर्ण अपील की है। प्रबंधन ने कहा कि सड़क पर थोड़ी सी लापरवाही भी भारी पड़ सकती है। अपने और अपने परिवार की सुरक्षित वापसी के लिए दोपहिया वाहन चलाते समय हमेशा अच्छी क्वालिटी का हेलमेट जरूर पहनें। वाहन हमेशा सीमित एवं नियंत्रित गति में चलाएं। सड़क पर चलते समय यातायात के सभी नियमों का कड़ाई से पालन करें, ताकि अमूल्य मानव जीवन को सुरक्षित रखा जा सके। फैक्ट्री प्रबंधन द्वारा उठाए गए इस संवेदनशील कदम तथा सामाजिक सुरक्षा व सड़क जागरूकता के संदेश की पूरे क्षेत्र में सराहना की जा रही है।



बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शारद्विज नवरात्रि के पावन एवं भक्तिमय अवसर पर नगर की सामाजिक संस्था सेवार्थ सेतु फाउंडेशन ने निस्वार्थ सेवा, वात्सल्य और सामाजिक समरसता की एक प्रेरणादायक मिसाल पेश की है। फाउंडेशन के सदस्यों ने नगर की जरूरतमंद बस्तियों में पहुंचकर छोटी-छोटी बालिकाओं का विधि-विधान से पूजन किया, उन्हें चुनरी ओढ़कर आदरपूर्वक भोजन कराया तथा उपहार भेंट किए। उपहार और दुलार पाकर जब नन्हीं बालिकाओं के चेहरे खिल उठे, तो ऐसा लगा मानो पूरा माहौल खुशियों और भक्ति के प्रकाश से जगमगा उठा हो। संस्था की प्रमुख पारुल चौहान



पावन अवसर है। जब हम इन निष्पाप, मासूम बालिकाओं को मां दुर्गा का साक्षात स्वरूप मानकर उनका पूजन करते हैं, तो ऐसा प्रतीत होता है कि साक्षात देवी मां हमारे बीच विराजमान हैं। चौहान ने कहा, कन्या पूजन और भूखों को भोजन कराने से मिलने वाला आत्मिक संतोष अतुलनीय है। देवी मां की कृपा से ही परिवार में सुख, समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य और खुशहाली का वास होता है। हमारा उद्देश्य हर चेहरे

पर मुस्कान लाना और समाज में सेवा की भावना को जगाना है।

उल्लेखनीय है कि सेवार्थ सेतु फाउंडेशन समाजसेवा के कार्यों में निरंतर अग्रणी भूमिका निभा रहा है। इससे पूर्व श्राद्ध पक्ष के दौरान भी संस्था के सदस्यों ने निस्वार्थ भाव से लगातार जरूरतमंद बस्तियों में जाकर भोजन के पैकेटों का वितरण किया था। संस्था की यह अटूट सेवा-भावना नगर के युवाओं और प्रबुद्ध जनों के लिए एक बड़ा प्रेरणा स्रोत बन रही है। इस पावन और आनंदमयी सेवा कार्य के दौरान सेवार्थ सेतु फाउंडेशन की सक्रिय सदस्य प्रिया गिरी गोखाम्बी, विनीता प्रजापत, संस्कृति चौहान सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी सदस्यों ने बालिकाओं को दुलारा, उनके साथ समय बिताया और समाज के हर वर्ग को ऐसे सेवा कार्यों से जुड़ने का संदेश दिया।

स्वामी विवेकानंद विद्यापीठ में नवरात्रि उत्सव एवं रावण दहन कार्यक्रम आयोजित



उज्हेल/ निर्मल आर सोलंकी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। स्वामी विवेकानंद विद्यापीठ हायर सेकेंडरी स्कूल में नवरात्रि उत्सव एवं रावण दहन कार्यक्रम हर्षोल्लास और उत्साह के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्रेस क्लब अध्यक्ष श्री निर्मल जी सोलंकी, विद्यालय संचालक श्री रमेश प्रजापत, नितेश रावल प्रकाश नाथम उज्जैन जिला पिछड़ा वर्ग अध्यक्ष श्री नंदराम धाकड़ एवं उज्हेल मीडिया प्रभारी श्री सूरज जी गोड़ अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अतिथियों के सानिध्य में आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों एवं विद्यालय परिवार ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति, धार्मिक परंपराओं एवं नैतिक मूल्यों से जोड़ना रहा। नवरात्रि उत्सव के माध्यम से मां दुर्गा की आराधना और शक्ति की उपासना का संदेश दिया गया, वहीं रावण दहन के आयोजन ने अच्छाई की बुराई पर जीत के महत्व को दर्शाया। भगवान श्रीराम के आदर्शों को स्मरण करते हुए सत्य, धर्म, सदाचार और बुराइयों का त्याग करने की प्रेरणा दी गई। इस प्रकार के सांस्कृतिक आयोजन विद्यार्थियों में भारतीय परंपराओं के प्रति सम्मान, सामाजिक एकता और संस्कारों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम में अतिथियों की उपस्थिति ने आयोजन की गरिमा बढ़ाई। विद्यालय में इस तरह के आयोजन विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ संस्कृति, संस्कार और जीवन मूल्यों से जोड़ने का सराहनीय प्रयास है।

मां अन्नपूर्णा मंदिर पर हुआ कन्या पूजन का आयोजन मा के स्वरूप में पहुंची कन्याएं



अकोदिया/ अमर सिंह मेवाड़ा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अकोदिया नव दिवसीय नवरात्री पर्व के चलते नगर वासी मां की भक्ति में लीन है शाम होते ही पंडाल में उधड़ा आस्था का सैलाब माता राी के दर्शनों हेतु उमड़ रहा है जिधर देखो श्रद्धा माता राी के जयकारा की गूंज सुनाई दे रही है अकोदिया नगर में सामाजिक धार्मिक कार्यों में अग्रणी संस्था श्री खाटू श्याम सेना ट्रस्ट अकोदिया द्वारा बुधवार को मां अन्नपूर्णा मंदिर जाट पूरा में कन्या पूजन का आयोजन किया गया शान 5२30 बजे प्रारंभ हुए इस आयोजन में सर्वप्रथम आयोजन में शामिल होने पहुंची देवी स्वरूप कन्याओं का ट्रस्ट के प्रदेश अध्यक्ष कमलेश अग्रवाल जिला अध्यक्ष डॉक्टर सुशील कुमार गेहलोत महिला मंडल नगर अध्यक्ष वर्षा कुशवाह ने ढोल के साथ सभी कन्याओं का गुलाब की पंखुड़ियां से पुष्प वर्षा कर अगवानी की साथ ही मां अन्नपूर्णा को चुनरी भी अर्पित की गई कन्या चरण पूजन के आयोजन में नन्ही नन्ही कन्याओं ने मां का रूप रखकर पहुंची सभी कन्या का चरण पूजन कर गिफ्ट भेंट किए गए इस दौरान पूरा मंदिर परिसर जय माता दी के जयकारों से गूंज उठा संस्था के जिला अध्यक्ष डॉक्टर सुशील कुमार गेहलोत ने कहा कि हमारी समतान भारतीय संस्कृति में नवरात्रि में देवी स्वरूप कन्याओं के पूजन का विशेष महत्व है आम संस्था द्वारा आयोजित कन्या पूजन कार्यक्रम में पधारी सभी कन्याओं का चरण पूजन कर इनका आशीर्वाद प्राप्त कर अपने आप को सौभाग्यशाली महसूस कर रहे हैं इस अवसर पर मां अन्नपूर्णा से सभी के स्वस्थ एवं मंगलमय जीवन के लिए कामना की इस अवसर पर संस्था के नगर मीडिया प्रभारी संचयन शर्मा शरद जैन गोलू गुप्ता महिला मंडल जिला अध्यक्ष बिंदू सोनी तहसील अध्यक्ष रेखा खत्री नगर अध्यक्ष वर्षा कुशवाह पूजा गोयल भी उपस्थित रही।

कर्नाटक के राज्यपाल पद का कार्यकाल पूर्ण कर नागदा लौटे डॉ. थावरचंद गेहलोत, अमित बम मित्र मंडल ने किया गर्मजोशी से स्वागत



नागदा/ राजेश सकलेचा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कर्नाटक के राज्यपाल के रूप में अपना कार्यकाल पूर्ण करने के बाद डॉ. थावरचंद गेहलोत के नागदा आगमन पर अमित बम मित्र मंडल द्वारा बस स्टैंड पर गर्मजोशी के साथ स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर मित्र मंडल के सदस्यों ने पुष्पहार पहनकर उनका आत्मीय स्वागत किया। राज्यपाल का कार्यक्रम पुर्ण करने के बाद अपने गृह नगर नागदा पहुंचे डॉ. गेहलोत का गर्मजोशी के साथ स्वागत करा गया इस दौरान उपस्थित लोगों में उत्साह देखने को मिला।

माँ एकवीरा धाम से रावण दहन का प्रचार रथ खाना, बदनावर में 81 फीट ऊंचे रावण दहन को लेकर उत्साह चरम पर, घर-घर पहुँचा निमंत्रण

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर में आगामी 20 अक्टूबर को आयोजित होने वाले ऐतिहासिक एवं भव्य रावण दहन कार्यक्रम को लेकर तैयारियां युद्धस्तर पर शुरू हो गई हैं। चंद्रभानु सिंह मित्र मंडल रावण दहन समिति के तत्वावधान में शनिवार को माँ एकवीरा मंदिर में विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर कार्यक्रम की सफलता की कामना की गई। इसके पश्चात प्रचार रथ को हरी झंडी दिखाकर खाना किया गया, जो नगर सहित आसपास के ग्रामीण अंचलों में घर-घर जाकर आमजन को इस महा-आयोजन का निमंत्रण दे रहा है। शनिवार सुबह 11:30 बजे समिति के



पदाधिकारी एवं सदस्य माँ एकवीरा मंदिर पहुंचे, जहाँ उन्होंने माता के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। इसके बाद प्रचार रथ को

खाना किया गया। यह रथ ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में भ्रमण कर लोगों को कार्यक्रम की जानकारी दे रहा है तथा अधिक से अधिक संस्था में शामिल होने का आह्वान कर रहा है। आगामी 20 अक्टूबर (संगलवार) को माँ एकवीरा रोड स्थित शासकीय महाविद्यालय मैदान पर 81 फीट ऊँचे रावण के पुतले का दहन किया जाएगा। आयोजन को अलौकिक और यादगार बनाने के लिए समिति द्वारा व्यापक

स्तर पर तैयारियां की जा रही हैं। प्रचार रथ को खाना करने के इस अवसर पर रावण दहन कार्यक्रम के संरक्षक चंद्रभान

त्योहारों पर मालवा को अतिरिक्त ट्रेनों की दरकार, यात्री विकास एवं सुझाव मंच ने उठाई मांग

हिसार- कोटा ट्रेन के विस्तार सहित नई रेल सेवाओं एवं अनारक्षित ट्रेनों के संचालन के सुझाव रखे

नागदा/ राजेश सकलेचा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। दीपावली, छठ पूजा एवं भाई दूज पर यात्रियों की संभावित बढ़ती संख्या को देखते हुए यात्री विकास एवं सुझाव मंच, नागदा ने मालवा क्षेत्र में अतिरिक्त विशेष ट्रेनों, सामान्य श्रेणी के डिब्बों की उपलब्धता बढ़ाने तथा नई रेल सेवाओं के संचालन पर विचार करने का आग्रह रेलवे प्रशासन से किया है।

मंच के संस्थापक अध्यक्ष एवं संचालक राजेश सकलेचा ने बताया कि मंच ने हिसार-कुकोटा ट्रेन का नागदा, उज्जैन अथवा रतलाम तक विस्तार, कोटा-झुनागदा रेल सेवा को रतलाम तक बढ़ाने तथा दाहोद-डूडउज्जैन मेमू ट्रेन का समय यात्रियों की सुविधा के अनुरूप निर्धारित करने के सुझाव दिए हैं। इसके साथ ही इंदौर से फतेहगढ़ा, रतलाम, नागदा, उज्जैन एवं देवास को जोड़ने वाली सर्कुलर ट्रेन, इंदौर-झुनागदा वंदे मेट्रो



तथा इंदौर-झुनालीताना वंदे भारत ट्रेन की संभावनाओं पर विचार करने का आग्रह किया गया है। सामान्य एवं कम आय वर्ग के यात्रियों की सुविधा के लिए इंदौर से अहमदाबाद, कोटा एवं भुवाल के लिए पूर्णतः अनारक्षित ट्रेनों के संचालन का सुझाव भी रखा गया है।

मंच ने रेलवे प्रशासन एवं जनप्रतिनिधियों से आग्रह किया कि यात्री आवश्यकताओं, उपलब्ध संसाधनों और परिचालन की व्यवहार्यता को ध्यान

बड़नगर में कुर्सी गई तो गुटबाजी शुरू - जिला अध्यक्ष ने पुरानी टीम बदली, व्यक्ति विशेष ने अपनी अलग कांग्रेस बना ली

बड़नगर/ महेश सोनगर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बड़नगर कांग्रेस में चल रही गुटबाजी की असली वजह सामने आ गई है।

जब से जिला अध्यक्ष महेश परमार पावरफुल हुए हैं और संगठन सुजन के तहत उन्होंने बड़नगर में व्यक्ति विशेष के पुराने पदाधिकारियों को बदलकर नए लोगों को जिम्मेदारी दी है, तब से व्यक्ति विशेष बौखलाए हुए हैं।

नए पदाधिकारियों को बदलने के बाद से



ही व्यक्ति विशेष ने कांग्रेस के वर्तमान ब्लॉक अध्यक्ष और वर्तमान पदाधिकारियों से

किनारा कर लिया है। वे न तो संगठन के धरने में जाते हैं और न ही संगठन के लोगों को अपने धरने में बुलाते हैं।

नतीजा यह है कि अब बड़नगर में एक ही दिन में दो कांग्रेस दिखती है। एक जिला अध्यक्ष और ब्लॉक अध्यक्ष वाली अधिकृत कांग्रेस, और दूसरी व्यक्ति विशेष के एक-दो

पुराने पूर्व पदाधिकारियों वाली निजी कांग्रेस। आज बिजली कंपनी के खिलाफ हो रहा

धरना भी इसी निजी कांग्रेस का है। इसमें वर्तमान ब्लॉक कांग्रेस का एक भी पदाधिकारी मौजूद नहीं है। मौजूद हैं तो सिर्फ वहीं एक-दो पूर्व पदाधिकारी, जिनकी कुर्सी संगठन ने बदल दी थी।

इसीलिए अब प्रशासन के पास भी एक ही मुद्दे पर दो अलग-अलग ज्ञापन पहुंच रहे हैं। वर्तमान पदाधिकारी अलग ज्ञापन देते हैं और व्यक्ति विशेष अपनी पुरानी टीम के साथ अलग ज्ञापन।

और सबसे बड़ी बात - इस निजी धरने की कवरेज के लिए बड़नगर प्रेस क्लब को

देपालपुर में आबकारी विभाग की बड़ी कार्रवाई, अवैध शराब के 6 प्रकरण दर्ज



स्थानों पर दबिश दी गई। कार्रवाई के दौरान ग्राम रामगल बिल्लौद स्थित अपना ढाबा, काली बिल्लौद, औसरूद, पिपलिया, रंगवासा आदि क्षेत्रों में अवैध रूप से मदिरा के संग्रहण एवं वितरण करते पाए जाने पर आरोपियों के विरुद्ध मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(1) क एवं 36(क) के तहत कुल 6 प्रकरण पंजीबद्ध किए गए। इस कार्रवाई में आरक्षक राशि सोलट, मुख्य आरक्षक रवींद्र कुमार बघेल, आरक्षक सावन सिसोदिया एवं मुख्य आरक्षक कोमल कनेल का सहानीय योगदान रहा।

ठीकरी में 1 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन

बडवानी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के अंतर्गत नगर परिषद ठीकरी में 1 करोड़ रुपये से अधिक लागत के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन क्षेत्रीय सांसद श्री गजेंद्र सिंह पटेल द्वारा स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर सांसद श्री पटेल ने अपनी सांसद निधि से विभिन्न ग्राम पंचायतों को जलापूर्ति हेतु पानी के टैंकर भी वितरित किए। इन विकास कार्यों से नगर में आधारभूत सुविधाओं का विस्तार होगा तथा नागरिकों को सुलभ और बेहतर नागरिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। शिक्षा, स्वच्छता और आधारभूत सुविधाओं को मिलेगा बढ़ावा नगर परिषद ठीकरी में विभिन्न वार्डों में विकास कार्यों की सीमांत दी गई। इनमें वार्ड क्रमांक 01 में सांसद निधि से शिव मंदिर निर्माण, वार्ड क्रमांक 04 में स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) 2.0 के अंतर्गत सामुदायिक शौचालय निर्माण, वार्ड क्रमांक 10 में निकाय निधि से प्लेटेफॉर्म निर्माण, वार्ड क्रमांक 12 में स्थावर तथा निर्माण, वार्ड क्रमांक 14 में सीसी रोड निर्माण एवं पेवर ब्लॉक पेशपान रोड निर्माण, वार्ड क्रमांक 02 में गोपी विहार गार्डन का विकास कार्य शामिल है। इसके अतिरिक्त सरस्वती शिशु मंदिर, ठीकरी में सांसद विकास निधि से 8 लाख रुपये की लागत से अतिरिक्त कक्ष निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया गया।

नहीं, बल्कि उज्जैन से पत्रकारों को बुलाया जा रहा है, क्योंकि स्थानीय पत्रकार पृष्ठ लेंगे कि जब ब्लॉक अध्यक्ष ही नहीं है तो ये कांग्रेस का धरना कैसे?

राहुल गांधी संगठन को एक करने की बात कर रहे हैं, लेकिन बड़नगर में कुर्सी जाते ही अलग धरने होने लगे हैं। अगर यही हाल रहा तो आने वाले विधानसभा चुनाव में इसका खामियाजा किसे भुगतना पड़ेगा, ये बड़नगर की जनता अच्छी तरह समझती है। अगले अंक में कहीं और राज का करेंगे खुलासा।

देपालपुर में नवरात्रि पर भक्ति और राष्ट्रप्रेम का महासंगम, छोटू सिंह रावणा की भजन संध्या में उमड़ा जनसैलाब

देशभक्ति गीतों पर झूमे युवा, माता रानी के जयकारों से गुंजा लोहार पट्टी क्षेत्र, पूर्व विधायक विशाल पटेल, भाजपा जिला अध्यक्ष श्रवणसिंह चावड़ा सहित अनेक गणमान्य नागरिक हुए शामिल

देपालपुर/ अंकित भोला परमार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। देपालपुर शारदीय नवरात्रि के पावन पर्व पर देपालपुर नगर में शुक्रवार को भक्ति, शक्ति, संस्कृति और राष्ट्रप्रेम का अनूठा संगम देखने को मिला। नवरात्रि के छठवें दिन नगर के हृदय स्थल लोहार पट्टी में आयोजित विशाल भजन संध्या में श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। देश के सुप्रसिद्ध भजन सम्राट छोटू सिंह रावणा की ओजस्वी आवाज और शानदार प्रस्तुतियों ने हजारों लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में माता रानी की आराधना के साथ देशभक्ति से ओत-प्रोत गीतों की प्रस्तुतियों ने माहौल को उत्साह और ऊर्जा से भर दिया।

देर रात तक चले इस भव्य आयोजन में नगर सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। जय माता दी और भारत माता की जय के नारों से पूरा क्षेत्र गुंजता रहा। आयोजन की भव्यता, कलाकारों की प्रस्तुतियों और श्रद्धालुओं के उत्साह ने नवरात्रि महोत्सव को यादगार बना दिया। भजन संध्या का मुख्य आकर्षण सुप्रसिद्ध भजन सम्राट छोटू सिंह रावणा रहे। जैसे ही उन्होंने मंच संभालकर अपनी बुलंद और ओजस्वी आवाज में प्रस्तुतियां देना शुरू किया, पूरा पंडाल तालियों की गड़गड़ाहट



और जयकारों से गुंज उठा। उनकी गायकी में भक्ति के साथ राष्ट्रम की भावना भी दिखाई दी। उन्होंने अपनी विशिष्ट शैली में एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियां देकर श्रोताओं को देर रात तक बांधे रखा। विशेष रूप से देशभक्ति गीतों के दौरान युवाओं में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला।

श्रद्धालु गीतों की धुन पर झुमेते नजर आए और तालियों के साथ कलाकार का उत्साहबर्धन करते रहे। कार्यक्रम में प्रसिद्ध लोक भजन गायक शशांक तिवारी कुंदनपुर ने भी अपनी प्रस्तुतियों से समां बांधा। उनके मधुर स्वरों में प्रस्तुत भजनों ने श्रद्धालुओं को भक्ति रस में सराबोर कर दिया। कार्यक्रम के दौरान छोटू सिंह रावणा ने पार्षद अनिल धाकड़ के सम्मान में विशेष प्रस्तुति देते हुए

गीत की पंक्तियां प्रस्तुत कीं— उदय की इन किरणों को ये बादल बयां करेंगे, ये तो हैं तपती ज्वाला, इन में क्या झोंकेंगे। इस ओजस्वी पंक्तियों ने उपस्थित युवाओं में विशेष जोश भर दिया। गीत की प्रस्तुति के दौरान पंडाल तालियों की गूंज से भर उठा और लोगों ने पूरे उत्साह के साथ कलाकार का अभिवादन किया। वहीं, जबरेश्वर सेना के संरक्षक राजेंद्र चौधरी, अध्यक्ष श्रवणसिंह चावड़ा, पार्षद अनिल धाकड़ सहित अनेक जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता और नगर के गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। आयोजन में बड़ी संख्या में मातृशक्ति, युवाओं और श्रद्धालुओं की उपस्थिति रही। नवरात्रि के पावन अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम में लोगों की व्यापक सहभागिता ने धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक परंपराओं के प्रति नगरवासियों के उत्साह को प्रदर्शित किया।

भजन संध्या के दौरान श्रद्धालुओं में विशेष उत्सास दिखाई दिया और पूरा आयोजन धार्मिक वातावरण से सराबोर रहा। कार्यक्रम को लेकर नगरवासियों में इतना उत्साह था कि चमन चौराहे से लोहार पट्टी मोड़ होते हुए देवी माता मंदिर तक का मार्ग श्रद्धालुओं और दर्शकों से खचाखच भरा रहा। आयोजन स्थल के आसपास बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। अनेक लोग अपने अपने प्रतिक्रिया व्यक्त की। दोनों प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम में राष्ट्रभक्ति का रंग और गहरा कर दिया। इस भव्य भजन संध्या में क्षेत्र की राजनीति और समाजसेवा से जुड़ी कई प्रमुख हस्तियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम

नवरात्रि महोत्सव की रौनक को कई गुना बढ़ा दिया। कार्यक्रम के दौरान भक्ति संगीत, लोक संस्कृति और राष्ट्रप्रेम का अनूठा मेल देखने को मिला। देर रात तक चले इस भव्य आयोजन का समापन आकर्षक आतिशबाजी के साथ हुआ। आसमान में बिखरी रंग-बिरंगी रोशनी ने कार्यक्रम की भव्यता में चार चांद लगा दिए। आतिशबाजी के साथ आयोजन का समापन हुआ तो श्रद्धालुओं में उत्साह और उत्सास का माहौल बना रहा। नवरात्रि के इस आयोजन ने देपालपुर में धार्मिक आस्था, सामाजिक सहभागिता, सांस्कृतिक परंपरा और राष्ट्रभक्ति का संदेश दिया। माता रानी के जयकारों से लेकर देशभक्ति गीतों की ओजस्वी प्रस्तुतियों तक, कार्यक्रम का हर रंग श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण बना रहा। देपालपुर की लोहार पट्टी में आयोजित इस विशाल भजन संध्या ने एक बार फिर नगर की धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं की जीवंत तस्वीर प्रस्तुत की। हजारों श्रद्धालुओं की सहभागिता, कलाकारों की शानदार प्रस्तुतियों और देर रात तक बने उत्साहपूर्ण माहौल ने आयोजन को यादगार बना दिया। भक्ति और राष्ट्रप्रेम से ओत-प्रोत इस कार्यक्रम ने नवरात्रि महोत्सव में नई ऊर्जा का संचार किया और नगरवासियों को एक साथ आकर धार्मिक उत्सव मनाने का अवसर प्रदान किया।

कम वर्षा, सिंचाई जल प्रबंधन एवं किसानों की समस्याओं के निराकरण हेतु बैठक आयोजित



खण्डवा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में कम वर्षा की स्थिति, सिंचाई जल प्रबंधन, विद्युत आपूर्ति, उर्वरक उपलब्धता एवं कृषि उपज मंडी से संबंधित किसानों की समस्याओं के निराकरण के उद्देश्य से शनिवार को कलेक्ट्रेट

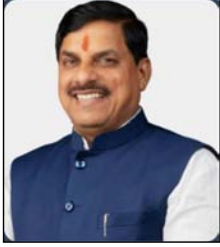
सभाकक्ष में अपर कलेक्टर श्री क्षितिज शर्मा की अध्यक्षता में भारतीय किसान संघ के प्रतिनिधियों एवं विभिन्न विभागों के अधिकारियों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में उप संचालक कृषि श्री सी.एल. केवड़ा, उप संचालक आत्मा श्री ए.एस. सोलंकी, कार्यपालन यंत्री जल संसाधन विभाग श्री मनमीत मंडई, श्री एस.पी. तिकी कार्यपालन यंत्री एनवीडीए उपसंभाग 25, श्री जय पाटीदार सहायक यंत्री एनवीडीए उपसंभाग 13, भारतीय किसान संघ के जिलाध्यक्ष श्री राधेश्याम चावरिया, प्रांत मंत्री श्री धरमचंद गुर्जर, जिला मंत्री श्री सुभाष पटेल सहित किसान संघ के पदाधिकारी एवं संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। कृषि विभाग के उप संचालक श्री सी.एल. केवड़ा द्वारा बताया गया कि बैठक में कम वर्षा की स्थिति को देखते हुए उपलब्ध जल संसाधनों के समुचित उपयोग तथा कम पानी में अधिक उत्पादन देने वाली फसल किस्मों के चयन पर जोर दिया गया। किसानों को ड्रिप एवं स्प्रिंकलर जैसी सूक्ष्म सिंचाई पद्धतियां अपनाने के लिए प्रोत्साहित करने पर चर्चा की गई। उन्होंने बताया कि सिंचाई जल के न्यायसंगत वितरण हेतु समय-साराणी तैयार कर सोशल मीडिया के माध्यम से व्यापक प्रचार-प्रसार करने पर जोर दिया गया। प्याज की फसल के लिए समय पर सिंचाई जल उपलब्ध कराने तथा सिंचाई के दौरान कम वोल्टेज एवं विद्युत डिफिंग की समस्या के समाधान हेतु विद्युत एवं जल संसाधन विभाग को आपसी समन्वय से कार्य करने के निर्देश अपर कलेक्टर श्री क्षितिज शर्मा ने दिए गए। अपर कलेक्टर श्री क्षितिज शर्मा ने हार्वेस्टर की सटीक जानकारी के लिए कृषि अभियांत्रिकी विभाग को पंजीयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। उन्होंने कृषि उपज मंडी में किसानों को होने वाली समस्याओं, मंडी भावों में पारदर्शिता तथा प्याज के निर्यात से जुड़े विषयों पर भी चर्चा की। उन्होंने कृषि विभाग को किसानों को सुगमता से उर्वरक उपलब्ध कराने के लिए नगर उर्वरक बिक्री केंद्रों की संख्या बढ़ाने पर चर्चा की गई। साथ ही फसलों की वास्तविक स्थिति के आधार पर अनावारी रिपोर्ट तैयार करें। किसानों की स्थानीय समस्याओं का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करने के लिए विकासखंड एवं तहसील स्तर पर भारतीय किसान संघ के प्रतिनिधियों तथा संबंधित विभागीय अधिकारियों के साथ नियमित बैठकें आयोजित की जाएं।

गजनीखेड़ी और दंगवाड़ा में 6.18 करोड़ के विकास कार्यों का होगा भूमिपूजन मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 18 अक्टूबर को करेंगे भूमिपूजन

बड़नगर/ महेश सोनगर। दैनिक मालावा हेराल्ड। बड़नगर जनपद पंचायत क्षेत्र की ग्राम पंचायत गजनीखेड़ी और दंगवाड़ा में विकास कार्यों को नई गति मिलने का रही है। रविवार, 18 अक्टूबर 2026 को दोनों ग्राम पंचायतों में कुल 6.18 करोड़ की लागत से स्वीकृत विभिन्न जनोपयोगी विकास कार्यों का भूमिपूजन समारोह आयोजित किया जाएगा। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे, जबकि पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा श्रम विभाग के मंत्री प्रह्लाद सिंह पटेल कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे।

समारोह में विशेष अतिथि के रूप में उज्जैन जिले के प्रभारी मंत्री एवं कौशल विकास व रोजगार विभाग के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम डेटवाल भी उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम को लेकर क्षेत्र में उत्साह का माहौल है।

गजनीखेड़ी में 3.44 करोड़ के विकास कार्य-ग्राम पंचायत गजनीखेड़ी में कुल 3.44 करोड़ की स्वीकृत राशि से विभिन्न निर्माण कार्य किए जाएंगे। इनमें 2.25 करोड़ की लागत से श्री चामुंडा माता



मंदिर परिसर में 16 कमरों वाली सर्वसुविधायुक्त धर्मशाला, टीन शेड, सामुदायिक भवन एवं शौचालय का निर्माण शामिल है। इसके अतिरिक्त 1.19 करोड़ की लागत से मंदिर परिसर में सीसी रोड, बाउंड्रीवॉल एवं पेवर ब्लॉक निर्माण कार्य प्रस्तावित हैं। दंगवाड़ा में 2.74 करोड़ की सौगत-ग्राम पंचायत दंगवाड़ा में 2.74 करोड़ की लागत से विकास कार्यों को स्वीकृति मिली है। इसमें 1.99 करोड़ की लागत से प्रसिद्ध श्री बोरेश्वर मंदिर क्षेत्र में पेयजल विकास के लिए पानी की टंकी, 3 किलोमीटर लंबे पंचकोशी टेबल मार्ग तथा घाट निर्माण कार्य किए जाएंगे। वहीं, 75 लाख की लागत से श्री बोरेश्वर मंदिर में आकर्षक

आरसीसी शेड एवं स्वागत द्वार का निर्माण कराया जाएगा।

इन कार्यों से दोनों ग्राम पंचायतों में धार्मिक स्थलों पर सुविधाओं का विस्तार होने के साथ ही ग्रामीणों को भी बेहतर आधारभूत सुविधाएं मिलने की उम्मीद है।

जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी रहेंगे मौजूद-भूमिपूजन समारोह में उज्जैन-आलोट संसदीय क्षेत्र के सांसद अनिल फिरोजिया, राज्यसभा सांसद बालयोगी उमेशनाथ महाराज, बड़नगर विधायक जितेंद्र उदय सिंह पट्ट्या, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती कमला कुंवर देवड़ा, उपाध्यक्ष श्रीमती शिवानी कुंवर सोलंकी, जनपद पंचायत बड़नगर की अध्यक्ष श्रीमती निर्मला राठौर, उपाध्यक्ष अजब सिंह देवड़ा तथा भाजपा ग्रामीण जिला अध्यक्ष राधेश धाकड़ सहित अनेक जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम की जानकारी एसडीएम धीरेंद्र पराशर एवं जनपद पंचायत सीईओ गोवर्धन मालवीय द्वारा दी गई। आयोजन में बड़ी संख्या में क्षेत्रवासियों के शामिल होने की संभावना है।

बड़वानी जिले के जनजातीय अंचल में संजीवनी बने जल संसाधन विभाग के तालाब, 4700 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में लौटी हरियाली



झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के पेटेलावद विकासखंड स्थित प्रसिद्ध धार्मिक एवं आस्था के केंद्र श्रृंगेश्वर धाम में शनिवार को महिला एवं बाल विकास विभाग मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया के मुख्य अतिथ्य में जल संसाधन विभाग द्वारा 366.69 लाख रुपये की स्वीकृत लागत से बनने वाले श्रृंगेश्वर घाट निर्माण कार्य का विधिवत भूमिपूजन किया गया। इस अवसर श्रृंगेश्वर धाम के गदीपति पूज्य रामेश्वर गिरि जी महाराज भी उपस्थिति रहे।

इस अवसर पर मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने कहा कि श्रृंगेश्वर धाम जिले का प्रमुख धार्मिक एवं आस्था का केंद्र है। माही एवं मधुकन्या नदियों के पवित्र संगम पर स्थित इस धाम से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की आस्था जुड़ी हुई है। आगामी सिंहस्थ-2028 को दृष्टिगत रखते हुए श्रद्धालुओं को बेहतर एवं सुरक्षित सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में घाट निर्माण कार्य महत्वपूर्ण है। इससे श्रद्धालुओं को खान, दर्शन एवं पूजा-अर्चना में सुगमता होगी। मंत्री सुश्री भूरिया ने कहा कि श्रृंगेश्वर धाम का धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व है। घाट निर्माण एवं सौंदर्यीकरण से धाम की सुविधाओं का विस्तार होगा तथा धार्मिक पर्यटन को नई गति मिलेगी। श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों के आवागमन में वृद्धि से स्थानीय व्यापार एवं रोजगार को अवसर भी बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार धार्मिक आस्था के केंद्रों के विकास एवं श्रद्धालुओं के लिए आवश्यक सुविधाओं के विस्तार की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है।

281 मीटर लंबे घाट के साथ विकसित होंगी श्रद्धालुओं के लिए सुविधाएं- श्रृंगेश्वर धाम में श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए जल संसाधन विभाग द्वारा 366.69 लाख रुपये की स्वीकृत लागत से घाट का निर्माण किया जाएगा। इसके अंतर्गत लगभग 281 मीटर लंबाई एवं 20 मीटर चौड़ाई में घाट विकसित किया जाएगा, जिसमें सीढ़ियों का निर्माण प्रस्तावित है। इससे श्रद्धालुओं को नदी तक पहुंचने एवं खान करने में सुविधा होगी। साथ ही घाट के आसपास उद्यान विकसित कर सौंदर्यीकरण के कार्य भी किए जाएंगे, जिससे धाम का परिसर अधिक आकर्षक एवं सुव्यवस्थित स्वरूप में विकसित हो सकेगा।

आगामी सिंहस्थ-2028 को दृष्टिगत रखते हुए यह निर्माण कार्य श्रद्धालुओं की सुविधाओं के विस्तार एवं क्षेत्र में धार्मिक पर्यटन को प्रोत्साहित करने की दिशा में महत्वपूर्ण सिद्ध होगा।

कार्यक्रम में जनपद उपाध्यक्ष पेटेलावद श्रीमती दुर्गा पड़ियार, श्री अजमेर सिंह, जितेंद्र सिंह राठौड़, ग्राम पंचायत भेरूपाड़ा के सरपंच श्री वर्दीचंद वसुनिया एवं जनपद सदस्य श्री राकेश गुड्डिया सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

इस अवसर पर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पेटेलावद श्रीमती रितिका पाटीदार, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस पेटेलावद सुश्री अनुरक्ति सबनानी, जल संसाधन विभाग के कार्यपालन यंत्री श्री विपिन पाटीदार, अनुविभागीय अधिकारी श्री धीरज जामोद एवं श्रीमती पूजा पाटीदार सहित संबंधित विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

बड़वानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्य प्रदेश का निमाड़ अंचल अपनी समृद्ध कृषि विविधता और जीवंत संस्कृति के लिए जाना जाता है। हालांकि, वर्षा की अनियमितता और भौगोलिक परिस्थितियों के कारण सिंचाई जल की उपलब्धता यहाँ सदैव विकास की प्रमुख चुनौती रही है। बड़वानी जिले में इस चुनौती से निपटने के लिए जल संसाधन विभाग द्वारा दूरस्थ एवं जनजातीय अंचलों में जल संरक्षण की दूरगामी कार्ययोजना को धरातल पर उतारते हुए विगत वर्षों में चार प्रमुख तालाबों का निर्माण किया गया है। सिंचाई परिदृश्य को बदल रही हैं ये 4



प्रमुख जल परियोजनाएँ बड़वानी जिले के पाटी,पानसेमल एवं सेंधवा तहसील में जल संसाधन विभाग द्वारा विगत वर्षों में चार प्रमुख तालाब-बेड़ाड़,गोमई, झाड़िया कुण्डिया एवं टोरी तालाब का निर्माण किया गया। जल

परियोजनाओं ने न केवल सिंचाई के परिदृश्य को इन क्षेत्रों में बदला बल्कि जिले के समग्र आर्थिक, सामाजिक एवं अब संरचनात्मक विकास को भी नई गति प्रदान की है। 1.पाटी तहसील का बेड़ा तालाब आकांक्षी विकासखण्ड पाटी में निर्मित यह तालाब जिले के ग्राम गंधावल,पलवट,मोसवाड़ा के कृषकों को सीधे लाभान्वित कर रहा है। 8.53 मि.घ.मी. जलभराव क्षमता का यह तालाब 1390 हेक्टेयर क्षेत्र को सिंचित कर रहा है। 2.पानसेमल तहसील के गोमई एवं झाड़िया कुण्डिया तालाब तहसील पानसेमल के अंतर्गत आने वाले गोमई नदी तालाब और झाड़िया

कुण्डिया तालाब इस क्षेत्र के कृषि परिदृश्य को पूरी तरह बदलने में महती भूमिका निभा रहे हैं। लगभग 7.88 मिलियन घन मीटर की जलभराव क्षमता वाला गोमई नदी तालाब 1,240 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई की सुविधा प्रदान कर रहा है, जिससे मालकातर, हरनिया,पाडला, चिखल्या, दोदवाड़ा, ओसवाड़ा और मोयदा जैसे गाँव सीधे तौर पर लाभान्वित हो रहे हैं। इसके साथ ही, 2.525 मिलियन घन मीटर जलभराव क्षमता से युक्त झाड़िया कुण्डिया तालाब 385 हेक्टेयर क्षेत्र को सिंच रहा है, जिसका सीधा लाभ मकबे, खडीखम और सकराली गाँवों के किसानों को मिल रहा है।

शिक्षा जगत में उज्जैन को मिली ख्याति: सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय को मिला देश का सर्वश्रेष्ठ इमर्जिंग यूनिवर्सिटी का प्रतिष्ठित राष्ट्रीय पुरस्कार, कुलगुरु प्रो. अर्पण भारद्वाज ने किया ग्रहण

पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक शोध का कमाल- करोड़ों के प्रोजेक्ट्स के दम पर राष्ट्रीय पटल पर चमका सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में बेहतरीन काम करने के लिए उज्जैन के सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय स्तर पर द बेस्ट इमर्जिंग यूनिवर्सिटी ऑफ द ईयर 2026 पुरस्कार से सम्मानित किया गया । बेंगलुरु के सेंचुरी एजुकेशन एक्सीलेंस अवार्ड ग्रहण किया। जिसमें देश-विदेश के कई दिग्गज शिक्षाविद् और वरिष्ठ राजनयिक मौजूद रहे।

सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय उज्जैन के कुलसचिव डॉ अनिल कुमार शर्मा ने बताया कि, विश्वविद्यालय को यह सफलता उसकी शानदार शैक्षणिक प्रगति, शोध कार्यों और नवाचारों के दम पर मिली है। वर्तमान में संस्थान में कई बड़े प्रोजेक्ट्स पर काम चल रहा है, जिनमें पीएम मेरु योजना के तहत 100 करोड़ रुपये से 19 अनुसंधान परियोजनाएं, ज्ञान भारतम् योजना

के अंतर्गत संग्रहालय के जीर्णोद्धार के लिए 26 करोड़ रुपये और आईआईटी के सहयोग से सक्षम कार्यक्रम के तहत 13.58 करोड़ रुपये के अनुदान वाले प्रोजेक्ट शामिल हैं। इसके अलावा, एमएसएमई इन्क्यूबेशन सेंटर के माध्यम से युवाओं की उद्यमशीलता को भी बढ़ावा दिया जा रहा है।

बेंगलुरु के सेंचुरी क्लब स्थित नलवाड़ी कुष्णराज वाडियार हॉल में संपन्न यह राष्ट्रीय आयोजन भारत की शिक्षा क्रांति को वैश्विक मंच प्रदान करने और उच्च शिक्षा संस्थानों की भूमिका को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया।

समारोह में कर्नाटक की पूर्व मुख्य सचिव एवं यू बी यू एन टी यू कंसोर्टियम की संस्थापक डॉ. के. रात्ता प्रभा (टूफ रिटायर्ड) सहित देश-विदेश के कई जूनियर-माने शिक्षाविद्, शोधकर्ता और नीति निर्माता उपस्थित रहे।

इस राष्ट्रीय समारोह में सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय, उज्जैन की शैक्षणिक क्षेत्र में स्थापित की गई उपलब्धियों



की प्रस्तुति दी गई और जानकारी दी गई कि,अनुसंधान, नवाचार और राष्ट्रीय विकास के क्षेत्र में भी विश्वविद्यालय नए आयाम स्थापित कर रहा है। विश्वविद्यालय परिसर में अकादमिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए कई महत्वपूर्ण शोध और विकास परियोजनाएं संचालित हो रही हैं, जिनमें पीएम मेरु के अंतर्गत 100 करोड़ रुपये के अनुदान से 19 बहु-विषयक अनुसंधान परियोजनाएं, ज्ञान भारतम् योजना के तहत सिंधिया प्राच्य विद्या शोध संस्थान स्थित विक्रमादित्य संग्रहालय के जीर्णोद्धार के लिए 26 करोड़ रुपये का अनुदान, और

आईआईटी के सहयोग से एएनआरएफ-परेर कार्यक्रम के प्रोजेक्ट सक्षम के तहत 13.58 करोड़ रुपये के अनुदान से चल रही 18 परियोजनाएं शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, एमएसएमई इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन सेंटर (एम आई आई सी) के माध्यम से सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों तथा उभरते उद्यमियों को बढ़ावा देने के लिए 80 लाख रुपये का कार्य अनुदान मिल रहा है, जिसमें मध्य प्रदेश लघु उद्योग निगम लिमिटेड की सहभागिता भी होगी। मध्य प्रदेश काउंसिल ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (एम पी सी एस टी) के तहत 12 लाख रुपये के अनुदान से 2 परियोजनाएं तथा नेशनल लाइब्रेरी ऑफ इंडिया के साथ अकादमिक व ज्ञान संसाधनों के संरक्षण की दिशा में भी कार्य किया जा रहा है।विश्वविद्यालय की इन शोध परियोजनाओं और इन्क्यूबेशन सेंटर के माध्यम से न केवल शैक्षणिक माहौल समृद्ध हो रहा है, बल्कि छात्र-छात्राओं को व्यावहारिक और व्यावसायिक अधिगम के बेहतरीन अवसर भी मिल रहे हैं।

कुलसचिव डॉ अनिल कुमार शर्मा ने बताया कि,बी आई सी में प्राप्त हो रहे

पुरस्कारों, विद्यार्थियों के अध्ययन हेतु विदेश प्रवास, इनोवेशन हेतु इंटरनेशनल फोरम पर प्रदर्शन, राष्ट्रीय प्रतियोगी परीक्षाओं में विद्यार्थियों के चयन, खेल प्रतिभाओं की अंतरराष्ट्रीय एवं राष्ट्र स्तरीय उपलब्धियों के फलस्वरूप विश्वविद्यालय को यह गौरवशाली सफलता मिली है। एम.एस.एम.ई. इन्क्यूबेशन सेंटर और स्टार्टअप परियोजनाओं का लाभ उठाकर विश्वविद्यालय के युवा प्रतिभागी और छात्र अपनी उद्यमशीलता को नई दिशा दे रहे हैं एवं विश्वविद्यालय के अकादमिक और सह-शैक्षणिक नवाचारों का लाभ ले रहे हैं।

विश्वविद्यालय को मिली इस महत्वपूर्ण उपलब्धि में कार्यपरिपक्व के सम्मानित सदस्यों डॉ राजेश सिंह कुशवाहा, प्रो संजय वर्मा, श्री रूप चंद पमनानी, डॉ मंजूषा मिमरोटा आदि, कुलसचिव डॉ. शर्मा तथा संपूर्ण विश्वविद्यालय परिवार के अनाथक प्रयासों और सामूहिक समर्पण का परिणाम है जिसके फलस्वरूप सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों और आधुनिक तकनीकी शोध का अनूठा संगम प्रस्तुत करते हुए छात्रों के उज्ज्वल भविष्य का निर्माण कर रहा है।

चौबीस खंभा माता मंदिर से शुरू होगी नगर पूजा

40 मंदिरों में चढ़ेगा मदिरा का भोग-सोमवार सुबह 7 बजे कलेक्टर करेंगे महामाया-महालया का पूजन-रात में हांडी फोड़ भैरव मंदिर पर होगा समापन

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शारदीय नवरात्र की अष्टमी पर सोमवार को परंपरागत शासकीय नगर पूजा होगी। सुबह 7 बजे चौबीस खंभा माता मंदिर में कलेक्टर देवी महामाया और महालया का पूजन कर मदिरा की धार अर्पित करेंगे। इसके बाद पांच ढोल के साथ नगर पूजा यात्रा शुरू होगी, जिसमें करीब 40 देवी, भैरव और हनुमान मंदिरों में पूजन किया जाएगा।

लगभग 27 किलोमीटर लंबी नगर पूजा 24 खंभा माता मंदिर से सुबह शुरू होगी और इसका समापन रात में हांडी फोड़ भैरव मंदिर पर होगा।

नगर पूजा उज्जैन की प्राचीन धार्मिक परंपरा है। मान्यता है कि इससे नगर की अग्निष्ट,



महामारी और आपदाओं से रक्षा होती है। पूजा के लिए काले चने और गेहूं उबालकर करीब

35 किलो बल-बाकल तैयार किया जाता है। इसके साथ पूरी-भजिये भी बनाए जाते हैं।

निर्धारित मार्ग पर मदिरा की धार प्रवाहित करते हुए विभिन्न मंदिरों में पूजन की परंपरा निभाई जाती है।

राजा विक्रमादित्य के समय से जुड़ी मान्यता- चौबीस खंभा माता मंदिर में देवी महामाया और महालया विराजमान हैं। मान्यता है कि प्राचीन काल में यह अवंतिका नगरी का प्रमुख प्रवेश द्वार था और राजा विक्रमादित्य इसी मार्ग से महाकाल वन में प्रवेश करते थे। नगर पूजा का संबंध भी उनके समय से माना जाता है। पहले देवी को पकवानों का भोग लगाया जाता था, बाद में मदिरा अर्पित करने की परंपरा जुड़ी। मंदिर के प्रवेश द्वार पर बनी सिंहों की प्रतिमाएं शक्ति और वीरता का प्रतीक मानी जाती हैं।

सिंहस्थ से सालभर पहले तैयार होंगे शिप्रा के नए घाट

29 किमी के दायरे में निर्माण, मई 2027 तक पूरा करने की डेडलाइन

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सिंहस्थ में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने से पहले शिप्रा के घाट तैयार करने की चुनौती है। नदी के करीब 29 किलोमीटर हिस्से में नए घाट बनाए जा रहे हैं। इन्हें मई 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य है, ताकि सिंहस्थ से पहले तैयारियों को परखने और खामियां सुधारने के लिए समय मिल सके।

शनिवार को संभागायुक्त आशीष सिंह और कलेक्टर रौशन कुमार सिंह निर्माणाधीन घाटों का जायजा लेने पहुंचे। गऊघाट पाले के पास और नवग्रह शनि मंदिर के पीछे गोठड़ा क्षेत्र में चल रहे काम को देखा। अधिकारियों ने मजदूरों की संख्या



और रोजाना हो रहे निर्माण की जानकारी ली। फिलहाल घाटों पर दीवार बनाने और नदी तक पहुंचने के लिए लैंडिंग तैयार करने का काम चल रहा है।

बारिश ने रोकों रफ्तार, अब तेजी आएगी- बारिश के दौरान शिप्रा में पानी बढ़ने से घाटों का निर्माण धीमा पड़ गया था। अब बारिश थमने के बाद काम में तेजी लाने की तैयारी है।

बड़नगर मार्ग पर होनहार छात्र को अज्ञात वाहन ने कुचला

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मामा के यहां रहकर पढ़ाई करने वाले होनहार छात्र को बड़नगर मार्ग पर अज्ञात वाहन ने कुचल दिया। छात्र की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस द्वारा वाहन की तलाश की जा रही है। छात्र मृत रूप से देवास के समीप सोनकच्छ का रहने वाला था। चिंतामण थाना पुलिस ने बताया कि बड़नगर मार्ग चंद्रखेड़ी से 1 किलोमीटर दूर पेट्रोल पंप के सामने अज्ञात वाहन ने पैदल जा रहे 17 वर्षीय अमित पिता अशोक जायसवाल को टक्कर मार दी थी। दुर्घटना में अमित की मौके पर मौत हो गई कुछ लोग उसे अस्पताल लेकर पहुंचे। जानकारी लगने पर परिवार भी अस्पताल पहुंच गया था। उन्होंने बताया कि अमित मूल रूप से सोनकच्छ देवास का रहने वाला है और चंद्र खेड़ी में अपने मामा के यहां रहकर पढ़ाई कर रहा था वह काफी होनहार था। कक्षा 12वीं में उसे प्रथम स्थान मिला था शासनी को योजना में उसे ई बाइक मिली थी। कुछ दिन पहले जिला पंचायत कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में उसे बाइक मिलना तय हुआ था सरकार द्वारा उसके खाते में 1.20 लाख भी ट्रांसफर कर दिए गए थे। इस वर्ष उसने एमआईटी कलेज में एडमिशन लिया था। पुलिस द्वारा पोस्टमार्टम के बाद सौंपा परिजनों को गया है। जिसे अंतिम संस्कार के लिए उसके गांव ले जाया जाएगा। अमित के पिता खेती किसानों का काम करते हैं। अज्ञात वाहन की तलाश में दुर्घटना स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे देखे जाएंगे। शुक्रवार शाम 5 बजे के लगभग बड़नगर मार्ग ग्राम चंद्रखेड़ी में रहने वाले अमित पिता अशोक जायसवाल को पैदल घर लौटते समय घर से कुछ दूरी पर तेजगति से आये अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। घायल होने पर उसे परिवार के लोग गांव वालों की मदद से चरक अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां डॉक्टरों ने परीक्षण के बाद मृत घोषित कर दिया। चिंतामण थाना पुलिस ने बताया कि मामले में मां कायम किया गया है। अज्ञात वाहन की जानकारी जुटाई जा रही है। मृतक का शनिवार सुबह पोस्टमार्टम कराया जायेगा।

इनाम में बाइक खुलने का झांसा देखकर बदमाश में ठगे हजारों रुपए

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। इस्टाग्राम पर विज्ञापन देखने के बाद बदमाश के जाल ने फंसे युवक के साथ 2 दिन में 66 हजार की धोखाधड़ी हो गई। बदमाश ने इनाम में बाइक खुलने का झांसा दिया था। युवक की पत्नी को पता चला कर उसने ऑनलाइन धोखाधड़ी होने की बात पति को बताई। युवक ने मामले की शिकायत पुलिस को दर्ज कराई है चिमनगंज से थाना क्षेत्र के गंगानगर में रहने वाले राजेश पिता प्रकाश बाड़ोलिया ने एक माह पहले इस्टाग्राम पर श्री सॉवरिया सेठ उपहार योजना का विज्ञापन देखा था। योजना में शामिल होने के लिए उसने दिए गए नंबर पर संपर्क किया। कॉल रिसीव करने वाले ने एंट्री फ्रीस 200 रुपए होना बताई और टोकन लेने की बात कही। उसने ऑनलाइन 200 रुपए जमा किए जिसके बाद उसे टोकन क्रमांक 199 प्राप्त हुआ। 10 सितंबर को रात मोबाइल पर कॉल आया और बताया गया कि उपहार योजना में स्लैटेड बाइक खुली है। उपहार प्राप्त करने के पहले गैशाला में 10 हजार रुपये का दान करना पड़ेगा, राजेश ने उक्त व्यक्ति द्वारा भेजे गए बारकोड पर 10 हजार का ट्रांजेक्शन कर दिया। दूसरे दिन दस्तावेज कंप्लीट करने के नाम पर 11हजार मांगे गए। कुछ देर बाद 16 हजार 500 रुपए और जमा करने के लिए कहा गया। एक दिन बाद फिर से कॉल आया और बताया गया कि बाइक डिलीवरी का चार्ज सिक्योरिटी के रूप में 21 हजार देना होगा। जो बाइक घर आते ही वापस मिल जाएगा। राजेश बातों में फंस चुका था उसके द्वारा बारकोड पर ट्रांजेक्शन किया जाता रहा। शाम के समय फिर कॉल आया और कहा गया कि बाइक का जी.पी.एस. हैक हो गया है, आप 8 हजार रुपये का पैमेंट कर दो जो आपको डिलेवरी की समय भुगतान कर दिये जायेंगे। देर शाम बाइक आने का इंतजार कर राजेश ने पत्नी पूजा को पूरी जानकारी बताई। पत्नी में धोखाधड़ी होना बताया। रात तक बाइक घर नहीं आई तो मामलों की शिकायत ऑनलाइन दर्ज कराई गई। साइबर हेल्पलाइन से मामला चिमनगंज थाना पुलिस के पास पहुंचा। पुलिस ने अज्ञात मोबाइल धारक के खिलाफ धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की है।

महाकाल की भस्म आरती में शामिल हुए अभिनेता मोहित रैना



उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भगवान महाकालेश्वर के दर्शन के लिए फिल्मी हस्तियों और वीवीआईपी के आने का सिलसिला लगातार जारी है। शनिवार सुबह टीवी अभिनेता मोहित रैना महाकाल मंदिर पहुंचे। उन्होंने प्रातःकालीन भस्म आरती में शामिल होकर भगवान महाकाल के दर्शन किए और आशीर्वाद लिया। उल्लेखनीय है कि महाकाल मंदिर में देयुभर से श्रद्धालुओं के साथ फिल्मी सितारों और विशिष्ट अतिथियों का भी लगातार आगमन हो रहा है। भगवान महाकाल के प्रति आस्था के चलते कई चर्चित हस्तियां यहां पहुंचकर दर्शन कर रही हैं।

दरवाजा बंद कर 17 वर्षीय युवती ने लगाई फांसी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। बीती शाम को 17 वर्षीय युवती ने दरवाजा बंद करने के बाद फांसी लगा ली। दरवाजा नहीं खुलने पर मां ने खिड़की से देखा तो उसे फंदे पर लटकता देखा। आज सुबह पुलिस ने पोस्टमार्टम कराया है। नीलगंगा थाना पुलिस ने बताया कि शाम 5 बजे के अम्बर कालोनी में रहने वाले तनिषा पिता दशरथ बागरी (17) ने फांसी लगा ली है। घटनास्थल पहुंचने पर किशोरी साड़ी के फंदे से पंखे पर लटकी हुई थी। परिजनों से पूछताछ करने पर पिता दशरथ ने बताया कि बचपन से दिमागी बीमार थी, घटना के समय वह पत्नी सोनल के साथ बाजार गया हुआ था वापस लौटने पर दरवाजा नहीं खुलने पर पत्नी सोनम ने खिड़की से देखा तो बेटी फांसी के फंदे पर लटकी हुई थी। वहीं परिजनों ने बताया कि तनीषा के माता-पिता दिव्यांग हैं उनकी एक बेटी की शादी हो चुकी है। परिवार संयुक्त रूप से साथ में रहता है। लेकिन दादा दादी और परिवार के अन्य सदस्य माता पूजन के लिए गुजरात गए हुए। घर पर तनीषा और उसके माता-पिता ही थे। पूर्व में भी एक बार तनीषा ने छत से कूदने का प्रयास किया था। पुलिस के अनुसार फिलहाल मामले की जांच की जा रही है। परिजनों के बयान दर्ज किए जाएंगे।

महिला बाल विकास विभाग एवं स्वास्थ्य के डेटा मिलान, एनआरसी भर्ती की ज्वाइंट समीक्षा बैठक आयोजित



उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह के मार्गदर्शन में जिले में स्वास्थ्य एवं पोषण सूचकांक सुधार के साथ-साथ सेवाओं की बेहतरी सुनिश्चित करने के लिए जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास श्री बुजेश त्रिपाठी एवं सीएमएचओ डॉ. रघुवंशी द्वारा संयुक्त रूप से मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय में सभी बीएमओ एवं सीडीपीओ की समीक्षा बैठक ली गई।

इस समीक्षा के दौरान दोनों विभागों के मैदानी अमले के संयुक्त भ्रमण, गर्भवती महिलाओं के एनसीसी डेटा मिलान, एनआरसी भर्ती, मातृ-शिशु मृत्यु प्रकरण फॉलोअप, हेम डिलीवरी की स्थिति, टीकाकरण, आरबीएसके भ्रमण के बिंदुवार समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री जनविज्ञान अभियान के तहत हेल्थपाव्स की स्थिति सुधार हेतु आवश्यक सुधारात्मक दिशा-निर्देश दिए गए।

बैठक में अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य एवं संचिव महिला बाल विकास विभाग के संयुक्त हस्ताक्षर से जारी दोनों विभागों की संयुक्त कार्ययोजना के क्रियान्वयन की सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र एवं परियोजनावार समीक्षा की गई।

समीक्षा बैठक में विषय प्रस्तुतीकरण डॉ. परमिंदर बग्गा ने किया, जबकि मैदानी अधिकारियों के रूप में सभी बीएमओ, सीडीपीओ, पर्यवेक्षक सहित स्वास्थ्य एवं महिला बाल विकास विभाग के अधिकारी भी उपस्थित रहे।

मौत बनकर दौड़ी गोवंश से भरी पिकअप... महिला की मौत, तीन घायल

टक्कर मारने के बाद गलियों में ऑटो और घरों के ओटलों को भी मारी टक्कर-खंभे से टकराने पर वाहन छोड़कर फरार

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के खाचरौद में शनिवार सुबह लालबाई-फूलबाई सब्जी मंडी में गोवंश से भरी पिकअप ने चार लोगों को टक्कर मार दी। हादसे में रेखा नाम की महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसके पति नंदराम सहित तीन लोग घायल हो गए। घटना के बाद चालक पिकअप लेकर कस्बे की गलियों में भागने लगा। रास्ते में ऑटो, अन्य वाहनों और घरों के बाहर बने ओटलों को टक्कर मारने के बाद वाहन रावला क्षेत्र में बिजली के खंभे से टकरा गया। इसके बाद चालक मौके से फरार हो गया।हादसे का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है।

जानकारी के मुताबिक, पिकअप



लालबाई-फूलबाई सब्जी मंडी में खड़ी थी। कुछ देर बाद चालक वाहन को आगे-पीछे करने लगा। इसी दौरान दूसरी गाड़ी से टक्कर होने के बाद उसने पिकअप तेज रफ्तार में आगे बढ़ा दी। मंडी में सब्जी खरीदने आए लोग इसकी चोट से आ गए। रेखा पिकअप के नीचे आ

गई और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, महिला के ऊपर से चालक तेज रफ्तार में कस्बे की

टक्कराकर रुकी पिकअप- मंडी से निकलने के बाद चालक तेज रफ्तार में कस्बे की हालत गंभीर बताई जा रही है। रेखा के शव को पोस्टमार्टम के लिए शासकीय अस्पताल खाचरौद भेजा गया है।सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने पिकअप क्रमांक एमपी-13-जेडएक्स-0596 जब्त कर लिया। वाहन में मौजूद गोवंश को भी कब्जे में लिया गया है। खाचरौद थाना प्रभारी धनसिंह नलवाया ने बताया कि प्रभू चालक की तलाश की जा रही है। पुलिस गोवंश के स्रोत और वाहन की दिशा की भी जांच कर रही है।

1352 करोड़ का हाईवे, लेकिन उज्जैन आने का सीधा रास्ता ही नहीं

देवास से आने वाले वाहन तपोभूमि पर सर्विस रोड से उल्टे चलने या ब्रिज के नीचे से गुजरने को मजबूर- भीड़ बढ़ी तो बिगड़ेंगे हालात

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सिंहस्थ के लिए 1352 करोड़ रुपए की लागत से बने देवास-बदनावर हाईवे पर यातायात की व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। देवास से उज्जैन आने वाले वाहनों को तपोभूमि चौराहे पर इंदौर-उज्जैन सिक्सलेन की सर्विस रोड से उल्टी दिशा में चलकर ब्रिज के नीचे से गुजरना पड़ रहा है। हाईवे और सिक्सलेन के जुड़ाव में यह कमी सिंहस्थ के दौरान परेशानी बढ़ा सकती है। लाखों श्रद्धालुओं की आवाजाही के बीच इस मार्ग पर वाहनों को निकासना चुनौती बन सकता है।

हाईवे निर्माण का काम दो एजेंसियों को सौंपा गया था। उज्जैन से बदनावर तक 69.1



किलोमीटर का ठेका जीआर इंफ्रास्ट्रक्चर और देवास से उज्जैन तक 41.42 किलोमीटर का काम गावर कंस्ट्रक्शन ने किया। निर्माण तत्कालीन प्रोजेक्ट डायरेक्टर एमएल पूरबिया के कार्यकाल में हुआ, जो अब गुवाहाटी में हैं।

सवाल यह है कि सिंहस्थ जैसे बड़े आयोजन के लिए बन रहे हाईवे को शहर की प्रमुख सड़क से जोड़ते समय भविष्य के यातायात का आकलन क्यों नहीं किया गया।

सिक्सलेन के नीचे से निकलना मजबूरी- तपोभूमि चौराहे पर देवास से आने वाले वाहनों के लिए उज्जैन की ओर जाने का सीधा जुड़ाव नहीं है। ऐसे में वाहन चालकों के सामने दो विकल्प हैं। वे हाईवे पर करीब 100 मीटर उल्टी दिशा में चलकर क्रासिंग करें या सर्विस रोड के सहारे सिक्सलेन ब्रिज के नीचे से होकर उज्जैन

पहुंचें। दोनों ही स्थितियां यातायात के लिहाज से परेशानी बढ़ा सकती हैं। सिंहस्थ के दौरान इसी मार्ग पर वाहनों का दबाव बढ़ने पर जाम और अव्यवस्था की आशंका रहेगी।

छह साल पुरानी प्लानिंग का दिया तर्क- इंजीनियरों का तर्क है कि हाईवे की योजना वर्ष 2019-20 में तैयार की गई थी। उस समय इंदौर-उज्जैन मार्ग को सिक्सलेन बनाने की योजना नहीं थी। इसलिए हाईवे की ड्राइंग फोरलेन को ध्यान में रखकर बनाई गई थी। लेकिन अब सड़क की परिस्थितियां बदल चुकी हैं। ऐसे में सिंहस्थ से पहले इस जुड़ाव को खामी दूर करना जरूरी है, ताकि श्रद्धालुओं और स्थानीय वाहन चालकों को उल्टी दिशा में चलने की मजबूरी न रहे।

उज्जैन उत्तर विधानसभा में 151 स्थानों पर 31 हजार से अधिक कन्याओं का पूजन, नवरात्रि कन्या पूजन महोत्सव ने स्थापित किया नया कीर्तिमान

लगभग 5 हजार कार्यकर्ताओं के सहयोग और 151 यजमानों के समर्पण से संपन्न हुआ भव्य एवं ऐतिहासिक आयोजन

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। धर्मनगरी उज्जैन में नवरात्रि के पावन अवसर पर नारी शक्ति के सम्मान, सनातन संस्कृति के गौरव और भारतीय परंपराओं के संरक्षण के उद्देश्य से लोकमान्य तिलक गणेश उत्सव महाआयोजन समिति के तत्वावधान में उज्जैन उत्तर विधानसभा क्षेत्र में भव्य एवं ऐतिहासिक नवरात्रि कन्या पूजन महोत्सव का आयोजन किया गया। इस महाआयोजन के अंतर्गत विधानसभा क्षेत्र के 151 स्थानों पर 31 हजार से अधिक कन्याओं का विधि-विधान से पूजन किया गया। व्यापक जनसहभागिता, कार्यकर्ताओं के समर्पण और समाज के सहयोग से संपन्न इस आयोजन ने एक नया कीर्तिमान स्थापित किया। यह आयोजन भारतीय सनातन संस्कृति में नारी शक्ति के प्रति श्रद्धा, सम्मान और पूजनीय भाव का प्रतीक बना। भारतीय परंपरा में कन्याओं को देवी स्वरूप मानकर उनका पूजन किया जाता है। इसी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक परंपरा को जन-जन तक पहुंचाने तथा नई पीढ़ी को अपने संस्कारों से जोड़ने के उद्देश्य से आयोजित इस महोत्सव में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं, मातृशक्ति, सामाजिक कार्यकर्ताओं और नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।



5 हजार कार्यकर्ताओं और 151 यजमानों का रहा महत्वपूर्ण योगदान - लोकमान्य तिलक गणेश उत्सव महाआयोजन समिति के संयोजक एवं विधायक श्री अनिल जैन कालूहेड़ा ने आयोजन की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि उज्जैन उत्तर विधानसभा में 151 स्थानों पर 31 हजार से अधिक कन्याओं का पूजन संपन्न होना हम सभी के लिए गर्व और सौभाग्य का विषय है। यह केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि हमारी सनातन संस्कृति, सामाजिक समरसता और नारी शक्ति के प्रति सम्मान की भावना को सशक्त करने वाला महाअभियान है।

उन्होंने कहा कि इस विशाल आयोजन को सफल बनाने में लगभग 5 हजार कार्यकर्ताओं ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रत्येक कार्यकर्ता ने पूरी निष्ठा, समर्पण और

सेवाभाव के साथ अपनी जिम्मेदारी निभाई। आयोजन के लिए 151 यजमानों ने अपने-अपने स्तर पर स्वयं के व्यय से व्यवस्थाओं को सुचारु रूप से संपन्न करने में सहयोग प्रदान किया। सभी यजमानों और कार्यकर्ताओं का समर्पण इस आयोजन की सफलता का महत्वपूर्ण आधार रहा। विधायक श्री कालूहेड़ा ने कहा कि इस आयोजन की वास्तविक सफलता का श्रेय उन कन्याओं और उनके परिवारों को जाता है, जिन्होंने इस महोत्सव में सहभागी बनकर हमें उनका पूजन करने का सौभाग्य प्रदान किया। कन्याएं हमारे समाज की शक्ति, संस्कार और उज्ज्वल भविष्य का प्रतीक हैं। उनके सम्मान और सत्कार के माध्यम से समाज में सकारात्मक संदेश पहुंचता है। उन्होंने सभी कन्याओं, अभिभावकों, यजमानों, कार्यकर्ताओं और सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सभी के सामूहिक प्रयासों से यह आयोजन भव्यता के साथ संपन्न हुआ।

सनातन संस्कृति और सामाजिक समरसता का संदेश- नवरात्रि का पर्व शक्ति की उपासना और मातृशक्ति के सम्मान का पर्व है। कन्या पूजन के माध्यम से भारतीय संस्कृति में निहित श्रद्धा, सेवा, संस्कार और

सम्मान के मूल्यों को अभिव्यक्त किया जाता है। उज्जैन उत्तर विधानसभा के 151 स्थानों पर एक साथ इतने व्यापक स्तर पर कन्या पूजन का आयोजन समाज की सांस्कृतिक चेतना और सामूहिक सहभागिता का परिचायक बना।

इस महोत्सव के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि भारतीय संस्कृति की परंपराएं केवल धार्मिक अनुष्ठानों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे समाज को एकजुट करने, सेवा की भावना जागृत करने और प्रत्येक बेटी के प्रति सम्मान का भाव विकसित करने का भी माध्यम हैं। आयोजन में कार्यकर्ताओं और यजमानों ने जिस उत्साह एवं सेवाभाव के साथ अपनी सहभागिता निभाई, वह सामाजिक एकजुटता का प्रेरक उदाहरण है। इस अवसर पर सांसद अनिल फिरोजिया, राज्यसभा सांसद पूज्य बालयोगी उमेरानाथ जी महाराज, महापौर मुकुंश टटवाल, भारतीय जनता पार्टी महानगर अध्यक्ष श्री संजय अग्रवाल, सिंहस्थ मेला प्राधिकरण अध्यक्ष जगदीश अग्रवाल, पूर्व विधायक राजेंद्र भनूती, समाजसेवी नारायण यादव, स्वामी शांतिस्वरूपानंद जी महाराज, जनदीश पांचाल, आनन्दसिंह खींची, शैलेन्द्र कलवाडिया, धनंजय शर्मा,उमेश सेंसर, ऋषि वर्मा , अशोक केथवास, दिनेश जाटवा,

श्रीमती सोनल जोशी, महेश परियानी, राकेश पंड्या, पार्षद सत्यनारायण चौहान, गब्बर भाटी, विशाल शर्मा, प्रकाश यादव, अनिल शिंदे, सुभाष डोंडिया, पवन विश्वकर्मा, मनीष पीपाड़ा, सुलभ शांत गुरुजी, ज्ञानेश सोनी, मनोज कोचर, अजय तिवारी, विजय दीक्षित, श्रीमती करुणा आनंद जैन, राजेश बाथम, बसंत भारती, पार्षद भूरू गहलोत, पंकज चौधरी, बबीता घनश्याम गौड़, दिलीप परमार, शिवदे तिवारी, विजय सिंह कुशवाहा, गजेन्द्र हिरवे, गजेन्द्र सकलेचा, मनोष खंडेलवाल, अशोक प्रजापति कन्नौजिया, राजेश बाथम राखी मणीलाल कंडेल, मुरारी शर्मा, महेंद्र सिंह बेस, आरती जीवन गुरु, विजय सिंह चौहान, प्रकाश शर्मा, अंकित पोखवाल आशीष जावव, नवीन यादव, अजय जोशी, पंकज मोदी, रजत मेहता, सुशील श्रीवास, डॉ योगेश्वरी राठौर, प्रमोद डोंडिया, सत्यनारायण चौहान, अम्मु यादव, दिलीप खंडेलवाल, डॉ राहुल कटारिया, श्री मति लीला वर्मा श्रीपाल राजावत महंत महावीर नाथ , अशोक की सोहनी, कमल सिंह अजना, किशन सिंह भटोल, महाराज सहित अनेक जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता एवं आयोजन समिति के सदस्य उपस्थित रहे। जानकारी मीडिया प्रभारी दिनेश जाटवा ने दी।

उज्जैन में रॉयलओक ने लॉन्च किया अपना फ्लैगशिप स्टोर - 10 हजार स्ववायर फीट में मिलेगा इंटरनेशनल फर्नीचर



उज्जैन/ दुष्यंत कुमार वर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर के लोगों के लिए खुशखबरी है। भारत का नंबर 1 फर्नीचर ब्रांड रॉयलओक अब उज्जैन में आ गया है। कंपनी ने आज उज्जैन में अपने बेहतरीन अंतरराष्ट्रीय संग्रह के साथ अपना भव्य फ्लैगशिप स्टोर लॉन्च किया है। रॉयलओक फर्नीचर, जो भारत का नंबर 1 फर्नीचर ब्रांड है,

उसने मध्य प्रदेश के उज्जैन में अपने प्रमुख स्टोर की शुरुआत कर दी है। 10,000 वर्ग फुट के विशाल क्षेत्र में फैला ये स्टोर उज्जैन वासियों के लिए फर्नीचर की एक पूरी दुनिया लेकर आया है। यहां लिविंग रूम, बेडरूम, डाइनिंग परिया, स्टडी और ऑफिस, आउटडोर, हेम डेकोर और गढ़ों सहित घर सजाने का हर सामान एक ही छत के नीचे मिलेगा। कंपनी

का दावा है कि यहां इंटरनेशनल डिजाइन का स्टाइलिश, स्मार्ट और किफायती फर्नीचर उपलब्ध होगा। लॉन्च इवेंट में कंपनी के अध्यक्ष विजय सुबमन्यम ने कहा कि ंहमें उज्जैन में अपना फ्लैगशिप स्टोर खोलने पर गर्व है। भारत और यूएई में हमारे पहले से ही 250 से ज्यादा स्टोर हैं। उज्जैन के लोग सस्ती कीमत पर उपलब्ध

अंतरराष्ट्रीय उत्पादों के साथ अपने सपनों का घर सजाने के लिए उत्सुक होंगे।

बता दें कि 2010 में स्थापित रॉयलओक आज देश का सबसे बड़ा ओमनीचैनल फर्नीचर रिटेलर है। कंपनी के पास 12 देशों से प्राप्त 10 हजार से ज्यादा प्रोडक्ट्स का कलेक्शन है, जिसमें अमेरिकी, इतालवी और

मलेशियाई डिजाइनों का अनोखा संगम देखने को मिलता है। हाइड्रोलिक स्टोरेज बेड, सोफा-कम-बेड और एक्सटेंडेबल डाइनिंग सेट इसके सबसे लोकप्रिय प्रोडक्ट्स में शामिल हैं। इस विस्तार से न सिर्फ उज्जैन के लोगों को वर्ल्ड क्लास फर्नीचर मिलेगा, बल्कि स्थानीय स्तर पर बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे।